लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024
वर्ष : 10 । अंक: 101
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है ।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi | NIGHT 27° Low

दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना, आशा का संचार कर रहा: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में वैश्विक स्तर पर भारत के उदय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी 'भारत की सदी' क्यों है, देश किस तरह तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भर के निवेशक भारत के सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने को लेकर कैसे उत्साहित हैं। एनडीटीवी वर्ल्ड को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने भारत के विकास की गति और गति के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने कहा, ₹भारत की तेज वृद्धि - दुनिया में सबसे तेज - और देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण को देखते हुए, कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत के विकास के पूर्वानुमान को अपग्रेड किया है।₹ उन्होंने आगे कहा कि ₹दुनिया भर के निवेशक भारत के विकास पर उत्सुकता से नज़र रख रहे हैं और सबसे तेजी से बढ़ते बाजार में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं।₹

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है।

उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है भारत की शताब्दी। दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं।

उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है।

'उड़ान' ने देश के विमानन क्षेत्र को बदल कर रख दिया है : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) पहल ने भारत के विमानन क्षेत्र को बदल कर रख दिया है और आने वाले वर्षों में उनकी सरकार इसे और मजबूत करेगी तथा लोगों को और भी बेहतर संपर्क सुविधा मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित करेगी। भारत में बुनियादी ढांचे और संपर्क को बेहतर बनाने के लिए क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) उड़ान पहल को आरंभ किए आठ साल पूरे हो गए। खासकर दूरदराज और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आरंभ की गई यह पहल भारत की राष्ट्रीय नागर विमानन नीति (एनसीएपी) 2016 का एक महत्वपूर्ण घटक है। केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने 21 अक्टूबर, 2016 को 10 वर्ष के दृष्टिकोण के साथ इसकी शुरुआत की थी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज, हम उड़ान के 8 वर्ष पूरे कर रहे हैं। एक ऐसी पहल, जिसने भारत के विमानन क्षेत्र को बदल दिया है। हवाई अड्डों की संख्या में वृद्धि से लेकर अधिक हवाई मार्गों तक, इस योजना ने करोड़ों लोगों को उड़ान तक पहुंच सुनिश्चित की है।'' उन्होंने कहा, ''साथ ही, व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय विकास को आगे बढ़ाने पर इसका बड़ा प्रभाव पड़ा है। आने वाले समय में, हम विमानन क्षेत्र को मजबूत करते रहेंगे और लोगों के लिए और भी बेहतर कनेक्टिविटी और आराम पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

पीएम मोदी ने बताया 30 साल का प्लान

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, अब सफलता का मापदंड सिर्फ ये नहीं है कि हमने क्या पाया... अब हमारा आगे क्या लक्ष्य है, हमें कहां पहुंचना है...हम उस ओर देख रहे हैं। अब भारत Forward Looking सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। 2047 तक विकसित भारत का संकल्प भी इसी सोच को दिखाता है।

प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है। उन्होंने कहा, हमने गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों के निर्माण, 9 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है।

मोदी ने कहा कि भारत ने दूरसंचार और डिजिटल भविष्य, वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र, वैश्विक फिनटेक उत्सव से संबंधित कार्यक्रमों में भी भाग लिया और नागरिक उड्डयन और नवीकरणीय ऊर्जा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। उन्होंने कहा, ये आयोजन उस विश्वास को प्रदर्शित करते हैं जो दुनिया का भारत में है।

संक्षेप

जस्टिन ट्रूडो ने बिगाड़े भारत-कनाडा के रिश्ते, देश लौटने से पहले संजय वर्मा ने सुनाई खरी-खरी

कनाडा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर भारत के साथ संबंधों को खराब करने का आरोप लगाते हुए भारतीय उच्चायुक्त सजंय कुमार वर्मा ने कहा है कि उनका खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से कोई लेना-देना नहीं है और उनके खिलाफ लगाये गये आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। संजय वर्मा ने यह भी कहा कि कनाडा ने निज्जर की हत्या से संबंधित मामले में भारत के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है। भारत ने हाल में छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था और घोषणा की थी कि वह कनाडा में अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को वापस बुला रहा है। इससे पहले भारत ने खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से राजदूत को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को खारिज कर दिया। हालांकि, कनाडा ने दावा किया कि उसने छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। रविवार को कनाडा में दिए गए एक इंटरव्यू में संजय वर्मा ने कहा कि निज्जर की हत्या के बारे में पीएम ट्रूडो के आरोप ठोस सबूतों के बजाय खुफिया सूचनाओं पर आधारित थे। संजय वर्मा ने कहा, समस्या यह है कि जब उन्होंने आरोप लगाया, तो उन्होंने खुद स्वीकार किया कि कोई ठोस सबूत नहीं है, खुफिया जानकारी थी। था।

मिडिल ईस्ट की टेंशन से दुनियाभर में बढ़ेगा आतंकवाद! MI6 के पूर्व एजेंट का चौंकाने वाला खुलासा

गाजा। गाजा का युद्ध अब मध्य पूर्व के कई देशों तक फैल गया है। हमास चीफ याह्या सिनवार की मौत के बाद लग रहा था कि ये जंग के अंत की शुरुआत होगी, लेकिन गाजा में उसके बाद से इजराइल के हमले और तेज हो गए हैं और लेबनान में भी लड़ाई तेज हुई है। सिनवार की मौत के बाद ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी MI6 के पूर्व एजेंट ने अपने एक इंटरव्यू में कहा है कि मिडिल ईस्ट की स्थिति पूरी दुनिया में आतंकवाद को बढ़ा सकती है। स्काई न्यूज से बात करते हुए M16 के पूर्व प्रमुख सर जॉन सॉवर्स ने बताया कि फिलिस्तीनी मुद्दे पर बढ़ते गुस्से और गाजा से आती हुई संकट की फुटेज के प्रसार की वजह से इस्लामी आंदोलन मध्य पूर्व से पूरी दुनिया में फैल सकता है, उन्होंने चिंता जाहिर की है कि मध्य पूर्व की घटनाओं से पूरी दुनिया में आतंकवाद को बढ़ावा मिल सकता है। जॉन सॉवर्स ने कहा कि पूरी दुनिया में लोग हर दिन गाजा से आने वाली हिंसक तस्वीरें देख रहे हैं। इजराइल कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहा है, जिसके वजह से हजारों मौते और लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं। दरअसल फिलिस्तीन मुद्दे का अंतरराष्ट्रीय ताकतों की ओर से निपटारा न होना लोगों में नाउम्मीदी की भावना को बढ़ा रहा है, जिससे पूरी दुनिया में एक बार फिर आतंकवाद बढ़ सकता है। सॉवर ने कहा कि हमास और हिजबुल्लाह के पास विदेशों में दशकों पुराना नेटवर्क है, गाजा और लेबनान में कमजोर होने से इनका ध्यान वापस अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद की ओर लौट सकता है। उन्होंने ये भी कहा कि दोनों ही संगठनों के लिए अब सिर्फ इजराइल ही दुश्मन नहीं रहा है, बल्कि अमेरिका और ब्रिटेन भी इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

बीजेपी का झंड़ा लगी फॉर्च्यूनर में आए 12 जुआरियों से 2.70 लाख रुपए, 4 स्कूटी और दो जीप बरामद

अशोक नगर। देहात थाना पुलिस ने रात के समय पलकाटोरी रोड़ पर एक जुआ के फड़ पर दबिश दी, जहां पर बड़ा जुआ चल रहा था। यह जुआ निर्माणाधीन बिल्डिंग में चल रहा था। पुलिस ने मौके से 12 जुआरियों को पकड़ा है जिनके कब्जे से 2 लाख 70 हजार नगद रुपए मिले हैं। साथ ही सभी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। फड़ पर ही एक फॉर्च्यूनर एक ग्रेंड विटारा एवं चार स्कूटी बरामद की गई हैं। पुलिस ने जो फॉर्च्यूनर गाड़ी जुआ के ठिकाने से पकड़ी है उसमें बीजेपी का झंडा लगा हुआ है और उसका यूपी का रजिस्ट्रेशन नंबर है। जिसका नंबर यूपी93बीडब्लू7770 है। इस गाड़ी से दो लोग उत्तर प्रदेश से जुआ खेलने के लिए अशोकनगर आए हुए थे।

बहराइच में हिंसा के बाद जारी है एक्शन, एडिशनल एसपी पर गिरी गाज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में हुई हिंसा के बाद से लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन लगातार दोषियों के खिलाफ कदम उठा रहा है। महसी सीओ रूपेंद्र गौड़ को लापरवाही के लिए पहले ही हटाया जा चुका है। अब लापरवाही बरतने के आरोप में एडिशनल एसपी पवित्र मोहन त्रिपाठी के खिलाफ भी एक्शन लिया गया है। उन्हें पद से हटाया गया है।

पवित्र मोहन त्रिपाठी की जगह दुर्गा प्रसाद तिवारी को बहराइच का नया एडिशनल एसपी नियुक्त किया गया है। जानकारी के मुताबिक पवित्र मोहन त्रिपाठी को डीजीपी मुख्यालय में अटैच किया गया है। इसके बाद अब आगे की कार्रवाई भी होगी। बता दें कि महसी से भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह ने 13 अक्टूबर को हिंसा के मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस एफआईआर में अर्पित श्रीवास्तव समेत आठ लोगों के खिलाफ शहर थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। दंगा फैलाने, पथराव और हत्या के प्रयास को लेकर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज हुआ था। मामले की जांच शुरू हो गई है। बता दें कि बहराइच के थाना हरदी क्षेत्र के रेहुआ मंसूर गांव के रहने वाले राम गोपाल मिश्रा को 13 अक्टूबर की शाम लगभग छह बजे दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए निकले जुलूस में शामिल किया था। जुलूस के महाराजगंज बाजार पहुंचने के बाद इसे एक विशेष समुदाय के इलाके की ओर से निकाला गया। इस दौरान दो पक्षों में कहासुनी हुई थी। इस दौरान छतों से जुलूस पर पत्थर फेंके गए थे। इस घटना के बाद विसर्जन में भगदड़ मच गई थी।

'प्रधानमंत्री मोदी के पास भारत के भविष्य के लिए स्पष्ट योजना'

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन ने सोमवार को भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पास प्रौद्योगिकी और भारत के भविष्य को लेकर बहुत स्पष्ट योजना है। इतना ही नहीं, उनके लगातार तीसरे कार्यकाल से यह साफ होता है कि वे निरंतर वास्तविक बदलाव लाने में सक्षम हैं।

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में कैमरन ने कहा कि आर्थिक वृद्धि, बुनियादी ढांचे में सुधार और देश के भविष्य के लिए स्पष्ट योजना होना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, 'राजनीति में आप पाते हैं कि जब आप प्रधानमंत्री बनते हैं तो हर चीज आप पर लाखों मील प्रति घंटे की गति से हमला करती है। ऐसे में अगर आपके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होगी कि आप करना क्या चाहते हैं तो समय-समय पर आने वाली परेशानियों से आप घबरा जाएंगे।'

ब्रिटेन में दो नेताओं के अलावा किसी का नहीं रहा तीन कार्यकाल: कैमरन

कैमरन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की बातें सुनकर बहुत अच्छा लगा। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में उस ऊर्जा का स्तर होना वास्तव में प्रभावशाली है। टोनी ब्लेयर और मार्गरेट थैचर के बाद ब्रिटेन में किसी प्रधानमंत्री का तीन कार्यकाल नहीं रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह बहुत प्रभावशाली है क्योंकि इसका मतलब है कि आपमें वास्तविक बदलाव लाने और चीजें सुसंगत तरीके से करने की क्षमता है। हम भारत में यही देख रहे हैं।

पीएम की डिग्री पर टिप्पणी : केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर कथित टिप्पणी को लेकर मानहानि के मामले में समन रद्द करने से इनकार करने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की थी संजय सिंह की याचिका

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत की एक अलग पीठ ने इसी मामले में 8 अप्रैल को आप नेता संजय सिंह की तरफ से दायर याचिका को खारिज कर दिया था। इस पर पीठ ने कहा, हमें एक समान दृष्टिकोण रखना चाहिए। बता दें कि गुजरात उच्च न्यायालय ने 16 फरवरी को संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल की याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने मामले में उनके खिलाफ जारी समन को रद्द करने की मांग की थी। दरअसल, दोनों नेताओं ने गुजरात विश्वविद्यालय की तरफ से दायर मामले में निचली अदालत की तरफ से जारी समन और समन के खिलाफ उनकी पुनरीक्षण याचिकाओं को खारिज करने के सत्र न्यायालय के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

बहराइच में भाजपा सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए दंगा कराया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मैनपुरी। करहल विधाभनसभा सीट पर उपचुनाव के लिए प्रत्याशी तेजप्रताप यादव का नामांकन दाखिल कराए आए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ी जीत का दावा किया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बहराइच में भाजपा ने जानबूझकर दंगा कराया है। इन्हें पता था कि चुनाव आ गया है, जनता के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे सकते।

ऐसे में राजनीतिक लाभ लेने के लिए भाजपा ने दंगा कराया। उन्होंने कि उप्र में सभी सीटों पर उपचुनाव भाजपा हारने जा रही है। करहल की जनता ने तो हमेशा समाजवादियों का साथ दिया है, इस बार भी सपा को यहां बड़ी जीत मिलने जा रही है।

तेज प्रताप यादव के नामांकन में पहुंचे कलेक्ट्रेट

पार्टी प्रत्याशी तेजप्रताप यादव के साथ अखिलेश यादव नामांकन दाखिल कराने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे थे। नामांकन में पूरे सैफई कुनबे ने एकजुटता दिखाई। नामांकन के बाद पत्रकार वार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी की जनता ने हर परिस्थिति में सपा का साथ दिया है। करहल में इस बार पहले से ज्यादा समर्थन किया है। भाजपा को तो प्रत्याशी ही नहीं मिल रहा है। इस बार पीडीए की ताकत से भाजपा डरी हुई है।

सपा के विकास को भाजपा ने रोका

सपा मुखिया ने कहा, कि भाजपा की सरकार ने जितने फैसले किए हैं, उनसे सबसे ज्यादा भेदभाव-अन्या का शिकार पीडीए परिवार ही हुआ है। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। सपा ने जिस रफ्तार से विकास करना शुरू किया था, उसे भाजपा ने रोक दिया है। संविधान के सारे अधिकार भी अब तक जनता को नहीं मिले। भाजपा के लोग खुद को संस्थाओं से ऊपर समझते हैं। इनका जो सदस्यता अभियान चल रहा है, उसमें सदस्यता कम जमीनों पर कब्जे ज्यादा हो रहे हैं। इतना भ्रष्टाचार और लूट कभी नहीं हुई, जितनी अब हो रही है।

'हिंदुत्व' शब्द को 'भारतीय संविधानवाद' से बदलने की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की जनहित याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'हिंदुत्व' शब्द को 'भारतीय संविधानवाद' से बदलने की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। इस मुद्दे पर जनहित याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, यह पूरी तरह से प्रक्रिया का दुरुपयोग है। बता दें कि यह जनहित याचिका दिल्ली के विकासपुरी निवासी एस एन कुंद्रा ने दायर की थी। इस पर सुनवाई से इनकार करते हुए सीजेआई ने कहा, हम इस पर विचार नहीं करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का TPSC की परीक्षा पर रोक लगाने से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) की तरफ से कई सरकारी विभागों में 563 ग्रेड-I पदों को भरने के लिए आयोजित की जा रही परीक्षा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि इस तरह के आदेश से अराजकता पैदा होगी। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, ये परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होनी है, अगर हम इस स्तर पर परीक्षा पर रोक लगाते हैं तो अराजकता फैल जाएगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ये बात तब कही, जब याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अंतरिम रोक लगाने का दबाव डाला। पीठ ने कहा, परीक्षा आज होनी है। छात्र पहले ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश कर चुके हैं। इस पर सिब्बल ने कहा कि अभ्यर्थी राज्य में पहली बार आयोजित की जा रही परीक्षा में बैठने का मौका खो देंगे।

महाविकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग को लेकर कोई मतभेद नहीं : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सोमवार को दावा किया कि महाविकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग को लेकर कोई मतभेद नहीं है। चुनावी राज्य महाराष्ट्र को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज है, इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सीट बंटवारे में हो रही लेट-लतीफी को लेकर कहा कि सोमवार शाम तक टिकटों के बंटवारे को लेकर बात बन जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हाईकमान दिल्ली में बैठा है, उनके निर्णय दिल्ली में होते हैं। संजय राउत ने आगे कहा कि सीटों को लेकर ज्यादा मतभेद नहीं होगा और हम लोग एक साथ बैठकर इसको सुलझा देंगे। सीटों के बंटवारे में पार्टी के कुर्बानी के सवाल पर उन्होंने कहा कि बात कुर्बानी की नहीं, बल्कि देशहित और महाराष्ट्र हित की है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में सोमवार (21 अक्टूबर) को पुलिस मुठभेड़ में कम से कम चार नक्सली मारे गए, एक अधिकारी ने बताया। मुठभेड़ छत्तीसगढ़ की सीमा के पास महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में स्थित भामरागढ़ तहसील के कोपरी जंगल में हुई। अधिकारी ने बताया कि गढ़चिरौली पुलिस की सी60 कमांडो टीम और सीआरपीएफ की टीम ने अभियान चलाया। नक्सल विरोधी पुलिस दल अभियान में लगे हुए हैं और शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि चार नक्सली मारे गए हैं, जबकि एक पुलिसकर्मी घायल हुआ है। खुफिया एजेंसियों ने पुलिस को इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में सचेत किया था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। कोपरी

भामरागढ़ का आखिरी जंगली इलाका है। इस खुफिया सूचना के आधार पर जंगल में पुलिस अभियान चलाया गया। अभियान को तेज करने के लिए विशेष नक्सल विरोधी बल सी60 पुलिस दस्ते को 60 कर्मियों के साथ मजबूत किया गया है।

इससे पहले, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में 8 लाख रुपये के इनामी नक्सल दंपत्ति ने आत्मसमर्पण किया था। पुलिस अधिकारी ने उनकी पहचान असिन राजाराम कुमार (37) उर्फ अनिल और उसकी पत्नी अंजू सुल्या जाले (28) उर्फ सोनिया के रूप में की है। असिन राजाराम कुमार ओडिशा में माओवादियों की प्रेस टीम का 'एरिया कमेटी सदस्य' था। अधिकारी ने कहा कि वह हरियाणा के नरवाना का निवासी है और फर्जी पहचान के साथ हिमाचल प्रदेश में शिमला के पास एक इलाके में रह रहा था। गढ़चिरौली का निवासी जाले भी पूर्वी राज्य में उसी प्रेस टीम का हिस्सा था और हिमाचल प्रदेश में रह रहा था। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

महाकुंभ के मध्य नजर पुलिस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला-2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन के दृष्टिगत आज पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा त्रिवेणी सभागार रिजर्व पुलिस लाइन्स कमिश्नरेट प्रयागराज में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता शान्तनु मुखर्जी (रिटायर्ड आई0पी0एस0) द्वारा कुम्भ मेला के अधिकारियों को कई बिन्दुओं पर प्रशिक्षित किया गया। जिन बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया उसमें अभिसूचना संकलन, अभिसूचना अधिकारियों की सक्रियता, सुरक्षा के विभिन्न आयामों, निरंतर चेकिंग व गश्त, होटल, धर्मशाला आदि में बाहर से आकर रुकने वाले व्यक्तियों का सत्यापन, सीसीटीवी एवं सर्विलांस का उपयोग, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, आपदा प्रबन्धन आदि शामिल रहे। प्रशिक्षण कार्यशाला में अपर पुलिस महानिदेशक जोन प्रयागराज, पुलिस आयुक्त प्रयागराज, पुलिस महानिरीक्षक परिक्षेत्र प्रयागराज, अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेला, पुलिस उपायुक्त कुम्भ, अपराध, नगर, गंगानगर, यमुनानगर, पुलिस अधीक्षक , क्षेत्रीय अभिसूचना प्रयागराज व अन्य पुलिस अधिकारीगण द्वारा प्रतिभाग किया गया।

नदी संरक्षण के संबंध में चलायें जन जागरूकता अभियानः सीडीओ

कहा कि प्लास्टिक के रोकथाम को जागरूक कर लगाये प्रतिबंध

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति व जिला पर्यावरण समिति एवं जिला पौधारोपण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि धार्मिक मंदिरों पर जो भंडारा कराए जाते हैं वहां पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराएं। जो प्लास्टिक के दोनों पत्तल प्रयोग कर रहे हैं उनको जागरूक करके प्रतिबंध लगाया जाए। इस कार्य में पुलिस का भी सहयोग लिया जाए तथा क्षेत्रवार मंदिरों को अधिकारी गोद भी ले, नदी संरक्षण के संबंध में भी जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि बेड़ी पुलिया

से मंदाकिनी पुल तक दोनों तरफ नाला बनाए गए हैं, उनका पानी मंदाकिनी गंगा पर जा रहा है उसमें फिल्टर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए कार्य योजना नगर पालिका बनाकर उपलब्ध कराएं तथा जो नाला नदी में गिर रहे हैं उनका टैपिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पौधारोपण के संबंध में विभाग वार जानकारी लेते हुए कहा कि जिन विभागों के द्वारा पौधारोपण का जियो टैग अभी तक पूरा नहीं कराया गया है वह तत्काल जियो टैग कराएं। यह स्थिति ठीक नहीं है, मुख्य विकास अधिकारी ने पर्यावरण के संबंध में कहा कि मिशन लाइफ के अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त अभियान पार्कों की साफ सफाई व कूड़ा कचरा के निस्तारण से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया जाए, इसमें सभी का जन सहयोग होना चाहिए। जनपद में स्थित निजी स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा उत्पन्न जैविक चिकित्सा अपशिष्ट के प्रबंधन की भी मानीटरिंग की जानी चाहिए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी तथा अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाएं और जो सामग्री जब्त की गई है उसमें क्या कार्यवाही की गई है अवगत कराया जाए। जिला पंचायत राज अधिकारी से कहा कि गांव की जो छोटी छोटी दुकानें हैं उनमें भी प्रतिबंध लगाए, प्रभागीय वनाधिकारी ने कहा कि अगले वित्तीय वर्ष के लिए भी पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसकी भी व्यवस्था संबंधित विभाग करें कि किस प्रकार के पौधे लगाना है उसकी सूची उपलब्ध कारण ताकि पौधे आप लोगों को उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में उपनिदेशक रानीपुर वन्य जीव विहार, प्रभागीय वनाधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह एनआरएलएम ओमप्रकाश मिश्र, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सुभाष चंद्र, जिला पंचायत राज अधिकारी इन्द्र नारायण सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह, उप प्रभागीय बनाधिकारी राजीव रंजन सिंह, क्षेत्रीय बना अधिकारी हरिशंकर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा, जिला खनिज अधिकारी सुधाकर सिंह, पीटीओ दीप्ति त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सर्राफा व्यावसायी की हत्या से वैश्य व्यापारियों में गुस्सा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

रायबरेली। ऊंचाहार के सर्राफा व्यवसायी शोभित कौशल की निर्मम हत्या से आक्रोशित उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता व अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के जिला अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता एडवोकेट एवं वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष संदीप जैन के नेतृत्व में व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

अतुल गुप्ता ने बताया कि ऊंचाहार के सर्राफा व्यापारी शोभित कौशल के उसकी दुकान से कुछ युवकों द्वारा अपहरण की सूचना पुलिस को दी गई एवं अगले दिन व्यापारी का शव क्षत विक्षत अवस्था में मिला।पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार द्वारा व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ को प्रभावी बनाए जाने का आदेश प्रत्येक जनपद के पुलिस अधीक्षक को किए जाने के पश्चात भी एक भी व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक जनपद में नोडल अधिकारी द्वारा नहीं बुलाई गई। अफसोस की बात है। एकता परिषद के जिलाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि यदि पुलिस अपने कर्तव्यों का बोध सही समय पर कर लेती तो यह हृदय विदारक घटना न घटती। संदीप जैन ने कहा कि संपूर्ण वैश्य समाज दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए फांसी की सजा एवं मृतक के परिजनों को एक करोड़ की धनराशि का मुआवजा देने की मांग करता है। राष्ट्रीय महासचिव इं विजय रस्तोगी ने मृतक के परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने एवं परिवार को शस्त्र लाइसेंस दिलाए जाने की मांग की। ऊंचाहार के अभिलाष चंद्र कौशल ने मृतक के परिवार को प्रधानमंत्री आवास एवं आयुष्मान कार्ड की सुविधा दिलाए जाने की मांग की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरबी वैश्य ने ऐसी घटना भविष्य में दोबारा ना हो इसके लिए सभी सर्राफा व्यवसाईयों की प्रभावी सुरक्षा के लिए कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के महामंत्री आलोक गुप्ता एडवोकेट, वीरेंद्र अग्रहरि, मधुरेंद्र वैश्य, अमरचंद गुप्ता, वी एन गुप्ता, नरेंद्र कुमार गुप्ता, राकेश गुप्ता, शिवकुमार, आशीष कुमार, आशुतोष वैश्य, सुधीर गुप्ता तथा वैश्य समाज से संरक्षक हरिश्चंद्र जायसवाल, मुकेश अग्रवाल एवं अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल नगर अध्यक्ष के के गुप्ता, जिला युवा अध्यक्ष पंकज प्रजापति, प्रधान सुधीर गुप्ता, पवन अग्रहरि, मयंक वैश्य,अनूप कुमार अग्रहरी, प्रभात अग्रहरि, शिवकुमार गुप्ता, अनुज गुप्ता ,उमेश साहू, शिवम अग्रहरी आदि भारी संख्या में वैश्य व्यापारी उपस्थित रहे।

सनातन धर्म के ऊपर हो रहे अत्याचार को लेकर लिखा पत्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। लगातार हो रहे ब्राह्मण समाज के ऊपर अत्याचार एवं हत्या को लेकर आज मांग पत्र जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को सौपा। जिसमे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रपति को पत्र लिख के कठोर क़ानून बनाने की मांग की वही स्व.गोपाल मिश्रा के हत्या मे नाराजगी जताते हुए सनातन धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी औऱ अभद्र लेखन को लेकर कठोर कार्यवाही औऱ क़ानून बनाने की मांग की। जबकि मुख्यमंत्री से आरोपियों को फ़ासी की सजा एवं पीड़ति परिवार को 3 करोड़ रुपये एवं सरकारी नौकरी एवं आवास देने की मांग राखी ज्ञापन की अगुवाई जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट नीरज दुबे, एडवोकेट संदीप मिश्रा जिला संगठन मंत्री, ब्लॉक अध्यक्ष भादैया एकांश मिश्रा, नगर अध्यक्ष राजमिश्रा, जिला सचिव बिजय शंकर मिश्रा, अंश पाठक, अमन मिश्रा आशुतोष मिश्रा व दर्जन भर पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

बिजली के खंभे से टकराकर बाइक सवार तीन युवकों की मौत

- रात में दावत से वापस आते वक्त लालगंज के बहाई गांव के पास हुआ दर्दनाक हादसा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लालगंज, रायबरेली। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बहाई गांव के पास रविवार की रात भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। सड़क दुर्घटना में दावत से घर लौट रहे दो बाईकों में सवार चार युवकों में से तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है और एक युवक गंभीर रूप से घायल है। सूचना पाकर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने सड़क दुर्घटना में काल कल्वित हुए तीनों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटनास्थल और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरेनी थाने के पूरे चंद्रशेखर मजरे सागर खेड़ा निवासी अभिषेक मिश्रा उर्फ गोपाल पुत्र महेश मिश्रा, शिवेंद्र मिश्रा पुत्र संतोष मिश्रा, पूरे लालू मजरे राशी गांव निवासी प्रशांत बाजपेई पुत्र दिनेश बाजपेई और पूरे बचरी मजरे गोपाली खेड़ा निवासी राजेश त्रिवेदी पुत्र कल्लू त्रिवेदी दो बाइकों पल्सर और अपाचे से रविवार की देर शाम डलमऊ की तरफ कहीं दावत में गए थे। दावत के बाद जब वह वापस रात में लौट रहे थे तभी बहाई गांव के निकट लालगंज डलमऊ मार्ग पर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गए और रात होने के चलते घटनास्थल पर ही गंभीर हालत में पड़े रहे। सुबह तक अभिषेक मिश्रा, प्रशांत बाजपेई और शिवेंद्र मिश्रा की मौत हो चुकी थी। राजेश त्रिवेदी घायल कराह रहा था। सोमवार सुबह 5 के करीब जब लोग उधर से निकले तो उन्होंने घटना के बाबत जानकारी चौकी बहाई और लालगंज पुलिस को दी। तब जाकर मौके पर पुलिस पहुंची और घर वाले भी पहुंचे। राजेश त्रिवेदी के घर वाले उसे लेकर फतेहपुर गए जहां उन्होंने अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। राजेश त्रिवेदी भी बेहोशी की हालत में जीवन और मौत से संघर्ष कर रहा है। दुर्घटना में बिजली का खंभा भी टूट कर धरासाई हो गया है । बिजली के तार भी टूट गए हैं।

मेधावियों की मेहनत की बदौलत दुनिया में लहरा रहा है देश की सफलता का परचम : प्रमोद तिवारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि मेधावियों की कडी मेहनत तथा लगन व निष्ठा से आज दुनिया में हर क्षेत्र में भारतीय मेधा का शानदार परचम लहरा रहा है। उन्होनें कहा कि ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में देश की वृहद क्षमता में बढोत्तरी के संकल्प के साथ भारत को हमें दुनिया का नेता बनाए रखने का मिशन जारी रखना होगा। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने यह उदबोधन सोमवार को नसीरपुर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बृजेशचंद्र कौशिक इण्टरमीडिएट कालेज के रंगारंग वार्षिकोत्सव समारोह में बतौर मुख्यअतिथि दिये। उन्होनें कहा कि छात्र छात्राओं को बहुउददेशीय भविष्य निर्माण की सफलता के लिए शिक्षाविद संस्कृति तथा चरित्र व राष्ट्रीयतापरक ज्ञान प्रदान करने में सशक्त भूमिका का निर्वहन करें। उन्होनें छात्र छात्राओं से कहा कि देश निर्माण के लिए उन्हें अपने उददेश्य के प्रति सदैव सजग संकल्प के प्रति समर्पित रहना चाहिए। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी में वह हुनर है कि वह सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकार के जरिए देश व समाज को हर तरह से शक्ति सम्पन्न गौरव प्रदान कर रही है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने विद्यालय में शैक्षिक कक्ष के लिए क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना तथा स्वयं की ओर से दो लाख रूपये की सौगात की भी घोषणा की। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी ने बालिकाओं के लिए हाईटेक शौचालय निर्माण कराए जाने की भी घोषणा की। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। छात्र छात्राओं ने स्वागत गान तथा सरस्वती वंदना के साथ राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत गीत व सामूहिक भाव नृत्य से समां बांधी।

कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा

लालगंज। अमावां क्षेत्र के गोबरा गांव में श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। प्रयागराज से पधारे अर्न्तराष्ट्रीय कथाव्यास सम्पूर्णानंद जी महराज के वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य श्रद्धालुओं ने गोबरा कथास्थली से बाबा घुइसरनाथ धाम तक कलश यात्रा निकाली। बाबा धाम में पूजन अर्चन के बाद कलश यात्रा पुनः कथास्थली पहुंची। सिर पर कलश धारण कर महिलाएं हरे राधे हरे कृष्ण संकीर्तन के साथ कलश यात्रा में भावविभोर दिखी। ग्रामीणों ने जगह जगह कलश यात्रा पर पुष्पवर्षा भी की। वहीं कथा का शुभारंभ करते हुए संत सम्पूर्णानंद जी महराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कथा के श्रवण मात्र से ही मनुष्य के सभी संताप का हरण हो जाया करता है। उन्होनें कहा कि श्रीमदभागवत महाग्रन्थ की कथा समाज को नैतिकता तथा सुचरित्रता के मार्ग पर बढ़ने की प्रेरणा दिया करती है। कथा के संयोजक समाजसेवी विपिन पाण्डेय ने ग्रामीणों की ओर से व्यासपीठ व वेदीपूजन किया।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धाजंलि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

रायबरेली। सोमवार को पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर एसपी ने कर्तव्य पथ पर प्राणों की आहुति देने वाले शहीद कर्मियों को याद किया गया। अधीनस्थों से जाबांज कर्मियों से प्रेरणा लिए जाने की बात कही। सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

शहीद स्मृति दिवस पर सोमवार को पुलिस लाइन में एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने अधीनस्थों को कर्तव्यनिष्ठा का संकल्प दिलाया। स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को याद किया। एसपी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश पुलिस व अन्य राज्यों के पुलिस जवानों के त्याग, बलिदान को हम कभी नहीं भूल सकते। बताया कि पुलिस स्मृति दिवस केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के उन 10 वीर जवानों की याद में मनाया जाता है। जिन्होंने 21 अक्तूबर 1959 को भारत के उत्तरी सीमा लद्दाख में चीनी सैनिकों के हमले को निष्प्रभावी करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। कहा कि हमें कभी नहीं भूलना चाहिए की वर्दी के साथ जन सुरक्षा की जिम्मेदारी भी हमारे कंधों पर होती है। एक पुलिसकर्मी अपने परिवार से अधिक अपने कर्तव्य के साथ जीता है। इस मौके पर एएसपी संजीव कुमार सिन्हा,सीएफओ सुनील कुमार सिंह,सीओ सिटी अमित सिंह,सलोन सीओ प्रदीप कुमार,डलमऊ सीओ अरुण कुमार नौवहार सहित सभी सीओ व आरआई मैनेजर दुबे ने शहीद जवानों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों के स्मृति चिन्ह पर अर्पित की श्रद्धांजलि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर अजय आनन्द अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय सुलतानपुर, पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा व अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन व जनपद के अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन सुलतानपुर में उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान जो अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अदम्य साहस का परिचय देते हुए बदमाशों से मुठभेड़ मे लड़ते-लड़ते अपने प्राणो को न्यौछावर करने वाले अमर शहीद जवानों को याद किया गया तथा पुष्पचक्र श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए श्रंद्धाजलि दी गई। एडीजी द्वारा परेड को सम्बोधित करते हुए कहा कि पुलिस के जवान जो अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अदम्य साहस एवं वीरता के साथ बदमाशों से मुठभेड़ मे लड़ते-लड़ते अपने प्राणो को न्यौछावर कर दिए मैं उन वीर सपूतों को सैल्यूट करते हुए उनके परिजनों के अच्छे स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

ईसाई व कसाई के खिलाफ राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी ने छेड़ा धरपकड़ का अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। लगातार समाज में हो रहे धर्मांतरण एवं गोकशी पर रोक लगाने वाले संगठन के अगुआ को अब जान से हांथ धोने की धमकी मिलते ही दर्जनों पदाधिकारी एकजुट होकर जिला अधिकारी संबोधित शिकायती पत्र दिया है। जिलाधिकारी को सौंपे शिकायत पत्र में राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के प्रदेश प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह ने कहा है कि स्वंय व संगठन के लोगो की सुरक्षा की मांग को लेकर डीजीपी उत्तर प्रदेश, पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या, राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के अध्यक्ष को रजिस्टर्ड पत्र भेजा है। बताते चलें कि सनातन धर्म के विरुद्ध एक रैकेट है जो पूरे देश में लोगों को भड़काने का खुल्लम खुल्ला खेल चालू किया है। अभी 15 दिन पूर्व नगर के मऊहरिया स्थित मोहल्ले में गरीब लोगों को एकजुट करते हुए धन का लालच देकर बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का खेल चल रहा था। खबर मिलते ही धर्मांतरण का विरोध करने संगठन के प्रदेश प्रभारी सर्वेश सिंह अकेले मौके स्थल पर पहुंच गए। पूछताछ करने पर पादरियों के समूह ने जमकर विरोध किया और जान से मारने की धमकी भी दी थी, तो अपने को अकेला व मौके की नजाकत देख पुलिस अधीक्षक से शिकायत के बावजूद दलबल के साथ पहुंची पुलिस ने मौके से इस खेल में शामिल लोगों को पकड़कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। इसी के बाद से ईसाई धर्म अपनाने के फायदे बताकर हिन्दू सनातन धर्म का विरोध करने वाले पादरी अपना एक एक क्षेत्र पकड़ लिये है और वहां लोगों को इकट्ठा कर धर्म परिवर्तन करा रहे हैं। इसी कड़ी में जिले की दूसरी घटना अखंड नगर थाना क्षेत्र के नरवारी गांव में धर्म परिवर्तन के खेल का मामला सामने आया। सूचना पर राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ व धर्मांतरण का विरोध करने वाले क्षेत्र के राम मूर्ति विश्वकर्मा ग्राम प्रधान रामपुर व प्रमोद सिंह, गोपी सिंह राजपूत, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अखंड नगर के लाल जी मिश्रा मौके पर पहुंच कर विरोध किया और इससे सूचना अखंड नगर पुलिस को दी। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार आधा दर्शन से अधिक लोग को हिन्दू सनातन धर्म का विरोध कर उन्हें भड़काने और झाड फूंक के बहाने धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने की जानकारी दी गई। फिलहाल थाना प्रभारी अखंड नगर श्याम सुंदर ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ द्वारा शिकायत प्राप्त हुई है धर्म परिवर्तन करने व जान से मारने की धमकी सहित अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के जिला संयोजक राकेश सिंह उर्फ दद्दू ने कहा कि जिले में यह संगठन पूरी तरह सक्रिय है अवैध कार्य चाहे जो भी हो जैसे गोकशी, बिना लाइसेंस के पशुओं का कटान रोकने, सैकड़ो कसाईयो के हाथों से तस्करी के लिए ले जा रहे पशुओं को छुड़वाने, प्रतिवन्धित पशुओं के अवैध कटान को रोकने सहित धर्मांतरण करने वाले दबंग इसाई कार्यकर्ताओं पर आवाज उठा रहा है। जिसके एवज में प्रदेश प्रभारी को जान से मारने की धमकी मिल रही है। यह संगठन निस्वार्थ भाव से धर्म और जीव की सुरक्षा का बीणा उठाया है। प्रशासन द्वारा प्रदेश प्रभारी को सुरक्षा दिलाये जाने की सख्त जरूरत है। क्योंकि समाज में अप्राकृतिक तरीके से काम करने वाले लोग अपने कार्य में सफल हो रहे हैं, इसलिए संगठन की मजबूती के लिए सुरक्षा बहुत जरूरी है। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी रवि दुबे ने जिले के अन्य समाजसेवी संगठन जैसे गोमती मित्र मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह, विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, काउंसिल आफ उद्योग व्यापार मंच के जिला अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता, जिला सुरक्षा संगठन के मुख्य संयोजक सरदार बलदेव सिंह जिला सुरक्षा संगठन के जिला अध्यक्ष डॉक्टर राजू श्रीवास्तव, अपराध निरोधक समिति के प्रदेश अध्यक्ष अमर बहादुर सिंह, सहित जिले भर के संगठन के ब्लॉक प्रभारी का स्वागत किया है।

उप्र लोक सेवा आयोग गेट के बाहर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के गेट पर आज सोमवार को बड़ी संख्या में पीसीएस और आरओ, एआरओ के अभ्यर्थी प्रदर्शन करने पहुंचे। छात्रों ने सरकार और लोक सेवा आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर गेट के बाहर सड़क पर धरने पर बैठ गए। अभ्यर्थियों के चलते भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रही। अभ्यर्थियों की मांग है कि आयोग की तरफ से दिसंबर में जो पीसीएस और आरओ एआरओ की परीक्षा होनी है उसे एक ही दिन में एक ही शिफ्ट में कराई जाए। ताकि पेपर लीक की कोई गुंजाइश न रहे।

प्रदर्शन करने पहुंचे अभ्यर्थी अपने हाथ में महात्मा गांधी और चंद्रशेखर आजाद की फोटो लेकर पहुंचे। उन्होंने वन डे-वन शिफ्ट के नारे भी लगाए। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि आयोग पीसीएस और आरओ/ एआरओ की परीक्षा एक ही शिफ्ट में और एक ही दिन में कराए। इससे पेपर लीक होने का खतरा नहीं होगा। हाथों में तिरंगा लेकर धरने पर बैठे अभ्यर्थियों की मांग थी कि लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सचिव हम लोगों के बीच में आए और हमारी बात, हमारी मांगों को सुने। अभ्यर्थी अपने हाथों में ज्ञापन भी लिए हैं। जो आयोग के अध्यक्ष को देने की बात कह रहे हैं। बड़ी संख्या में छात्रों को देखते हुए लोकसेवा आयोग चौराहे पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी है।

यूपी पुलिस को सीएम योगी का दिवाली गिफ्ट, स्मृति दविस पर कर दी ये बड़ी घोषणा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत की वृद्धि, बैरक में रहने वाले आरक्षियों के पुलिस अकोमोडेशन अलाउंस में 25 प्रतिशत की वृद्धि और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेलकूद में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आहार समेत अन्य मदों के लिए अगले वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपये बढ़ाने की घोषणा की।

इन घोषणाओं पर प्रदेश सरकार 115 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी। सीएम योगी ने बहु मंजिल आवास और प्रशासनिक भवन के रखरखाव के लिए 1,380 करोड़ रुपए के कॉरपस फंड की घोषणा की। वहीं, अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पुलिस बल पर आने वाले खर्च पर प्रस्तावित शुल्क लगाने की स्वीकृति की, जो पुलिस महानिदेशक के अधीन रहेगा। साथ ही इसका सम्मान प्रस्तावित कॉरपस नियमावली के तहत किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवगंत शहीद पुलिस कर्मियों को याद किया।

एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक से किया गया सम्मानित

सीएम योगी ने कहा कि गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट सेवाओं के लिए चार तथा दीर्घ-सराहनीय सेवाओं के लिए 110 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस पदक का प्रदान किये गये। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 1,013 पुलिस कार्मिकों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा 729 कार्मिकों को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। वहीं तीन राजपत्रित अधिकारियों संग कर्मचारियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक प्रदान किया गया।

पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा मानदेय और राजपत्रित पुलिस कार्मिकों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह, 455 पुलिस कर्मियों को सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह प्रदान किया गया। पुलिस कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश का प्रशंसा चिन्ह डीजी कमेंडेशन डिस्क 29 प्लेटिनम, 51 गोल्ड और 783 सिल्वर राजपत्रित और अराजपत्रित कार्मिकों को प्रदान किए गए।

115 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को दी 36.20 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्तव्यों का पालन करते हुए शहीद पुलिस कर्मी, केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों तथा भारतीय सेवा में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 115 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को 36 करोड़ 20 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है। वहीं जिलों में तैनात पुलिस कर्मियों की सुख सुविधा के लिए 3 करोड़ 50 लाख, कल्याण के लिए 4 करोड़, कार्यरत, सेवानिवृत पुलिसकर्मी एवं उनके आश्रितों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 2,66 दावों के निस्तारण के लिए 30 लाख 56,000 रुपए की राशि दी गयी। इसी तरह पांच लाख से अधिक चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 3,12 प्रकरण के लिए 12 करोड़ 60 लाख, 135 पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों की गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए अग्रिम ऋण के रूप में 5 करोड़ 5 लाख , जीवन बीमा योजना के तहत 3,06 मृतक पुलिस कार्मिकों के आश्रितों की सहायता के लिए 9 करोड़ 8 लाख रुपए, पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों द्वारा कराए गए कैशलेस उपचार के तहत 31 लाख 16 हजार रुपए, पुलिस कार्मिकों के 205 मेधावी छात्रों को शिक्षा निधि के माध्यम से 53 लाख 30,000 रुपये की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया।

गैंगस्टर एक्ट के तहत 77,811 अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 2017 के बाद पुलिस विभाग के विभिन्न पदों पर 1,54,000 से अधिक भर्तियां की गयीं। इसमें 22,000 से अधिक महिला कार्मिक शामिल हैं। वहीं विभिन्न राजपत्रित पदों पर एक लाख 41,000 से अधिक कार्मिकों को पदोन्नति दी गयी। वर्तमान में 60,000 से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में शांति और कानून का राज्य स्थापित करने के लिए पिछले 7 वर्ष में 17 जवानों ने अप्रतिम शौर्य का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त किया जबकि 1,618 पुलिसकर्मी घायल हुए।

प्रदेश में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए गैंगस्टर एक्ट के तहत 77,811 और 9,23 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। माफिया और अपराधी गिराहों के 68 मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर 31 माफिया तथा उनके 66 सहयोगियों को आजीवन कारावास की सजा दिलायी गयी। इसके अलावा दो को फांसी की सजा हुई है। माफिया और उनके गैंग के सदस्यों द्वारा अर्जित चार हजार 57 करोड़ की अवैध संपत्ति को जब्त किया गया। सीएम ने कहा कि एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा 22 मार्च 2017 से 2 अक्टूबर 2024 तक 1 करोड़ 2 लाख से अधिक स्थानों पर चेकिंग की। साथ ही 3 करोड़ 68 लाख से अधिक व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान 23,375 अभियोग पंजीकृत कर 31 हजार 517 के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गयी जबकि एक करोड़ 39 लाख से अधिक व्यक्तियों को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। प्रदेश के हर थाने में महिला बीट आरक्षित तथा महिला हेल्थ डेस्क की स्थापना की गई। सभी जनपदों में 15,130 महिला पुलिसकर्मी को नियुक्त करते हुए 10,378 महिला बीट आवंटित की गयी। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत 11 लाख 71,000 से अधिक सीसीटीवी स्थापित किए गए।

धार्मिक स्थलों से एक लाख से अधिक लाउडस्पीकर उतारे गये

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में एक अभियान के तहत धार्मिक स्थलों से 1,08,037 से अधिक लाउडस्पीकर उतारे गए या उच्चतम न्यायालय की गाइडलाइन के अनुसार उनकी ध्वनि नियंत्रित की गयी। 31 मई 2017 से 2 अक्टूबर 2024 तक पुलिस द्वारा दो करोड़ 68 लाख से अधिक स्थानों पर फुट पेट्रोलिंग के माध्यम से सुरक्षा का एक बेहतर वातावरण प्रस्तुत किया गया।

सीएम योगी ने कहा कि पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की कर्तव्य पालन के दौरान मृत्यु होने पर जो विभिन्न प्रकार की शिकायतें शासन के पास उपलब्ध होती रही हैं, उसी क्रम में उन कर्मियों के परिवारजनों खासतौर पर उनकी पत्नी तथा माता-पिता के जीवित न रहने की दिशा में शासन आदेश में वर्णित व्यवस्था के अनुसार मृतक के परिवार को पूर्ण धनराशि नहीं मिलने की समस्या बताई गई थी। इस पर विचार करते हुए निर्णय लिया गया है कि वर्तमान शासन आदेश को संशोधित करते हुए अनुग्रह की संपूर्ण धनराशि 25 लाख या 50 लाख रुपए जैसी अनुमान्यता है को पूर्णतया मृतक की पत्नी, माता-पिता या जो भी कानूनी वारिस हो उसको उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर मंत्री असीम अरुण, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक सुजीत पांडेय और मंडलायुक्त रोशन जैकब आदि शामिल हुए।

हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव किया जायेगा निदान : केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय।

उन्होंने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक-एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत गोरखपुर के जिलाधिकारी, फिरोजाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बस्ती के पुलिस अधीक्षक व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

भारत निर्वाचन आयोग मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिए देगा मीडिया अवार्ड–2024

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2024 में मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिए उत्कृष्ट योगदान देने वाले मीडिया संस्थानों को सम्मानित करने के लिए 'मीडिया अवार्ड' दिया जाएगा। यह पुरस्कार चार श्रेणियों प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन), इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो), और ऑनलाइन (इंटरनेट)ध्सोशल मीडिया में दिए जाएंगे। इस सम्बन्ध में भारत निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किया है कि वे वर्ष 2024 में मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले मीडिया संस्थानों के नाम आयोग को भेजें।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि वर्ष 2012 से लगातार दिए जा रहे इन पुरस्कारों का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति नागरिकों को जागरूक करने और मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने में मीडिया की भूमिका को सम्मानित करना है। उन्होंने बताया कि ऐसे मीडिया संस्थान अपनी प्रविष्टियाँ सीधे आयोग को भेज सकते हैं। प्रविष्टियां भेंजने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर, 2024 तक निर्धारित है।

सभी प्रविष्टियों की समीक्षा निर्वाचन आयोग द्वारा गठित कमेटीध्जूरी द्वारा की जाएगी, और विजेताओं को राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी, 2025) के अवसर पर पुरस्कार के रूप में प्रमाण पत्र और शील्ड प्रदान किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुरस्कार चयन अभियान की गुणवत्ता, कवरेज की मात्रा और उसकी पहुंच, निर्वाचन संबंधी तकनीकी जानकारी, दूरस्थ और अनूठे मतदेय स्थलों की खबरें, निर्वाचन से जुड़ी झूठी सूचनाओं को उजागर करने और जागरूकता पैदा करने वाले कार्यक्रमों पर आधारित होगा। इ

सके अलावा, मतदाता जागरूकता अभियान का समाज पर क्या प्रभाव पड़ा, इस पर भी विचार किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग ने प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो, और ऑनलाइन मीडिया के लिए प्रविष्टियों के अलग-अलग निर्देश जारी किए हैं। प्रिंट मीडिया के लिए समाचार आलेखों का संक्षिप्त विवरण, समाचारों का कुल प्रिंट क्षेत्र, और उनकी पीडीएफ कॉपी या अखबार की प्रतियां जमा करनी होंगी।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए टेलीविजन और रेडियो कार्यक्रमों का विवरण, प्रसारण की अवधि, और कुल प्रसारण समय सहित अन्य जानकारियां जमा करनी होंगी। ऑनलाइन मीडिया को अपने अभियान का सारांश, पोस्ट या ब्लॉग की संख्या, और उनके प्रभाव का विवरण देना होगा।

केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में कृषि के विकास पर दिया गया जोर

लखनऊ। केंद्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण, भारत सरकार, रामनाथ ठाकुर की अध्यक्षता में आज उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री, कृषि राज्य मंत्री और प्रमुख सचिव (कृषि) की उपस्थिति में केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश के विभिन्न कार्यों और योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री ने राज्य में चल रही कृषि योजनाओं का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया और किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने का कार्य एक सप्ताह में शुरू किया जाएगा, जिससे किसानों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। प्रमुख सचिव (कृषि) ने बताया कि उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में देश में अग्रणी है, लेकिन उत्पादकता में वृद्धि के लिए कृषि में निवेश की आवश्यकता है।

'35 गोलियां, नाखून उखाड़ दिया, आंखें निकाल लीं'

रामगोपाल की मौत पर गलत दावा, नूपुर शर्मा ने मांगी माफी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भाजपा नेता नुपूर शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। नूपुर शर्मा ने एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए बहराइच हिंसा में मारे गए रामगोपाल मिश्रा की मौत को लेकर गलत दावा कयिा। उन्होंने मंच से कहा कि बहराइच में रामगोपाल को क्रूरता से मारा गया था। उसे 35 गोलियां मारी गई और नाखून तक उखाड़ दिए गए। नूपुर शर्मा की बयानबाजी का वीडयिो सोशल मीडयिा पर वायरल हो गया, जसिके बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ गई। उन्होंने कहा, 'मैं अपने शब्द वापस लेती हूं।'

नूपुर शर्मा ने बुलंदशहर में ब्राह्मण समाज के एक सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने बहराइच में मारे गए रामगोपाल मिश्रा की मौत को लेकर कहा, "बहराइच में जिस तरह से गोपाल मिश्रा जी की हत्या की गई मुझे बहुत कष्ट हुआ। शायद आपसे

गहराई से मैं इसे समझ सकती हूं, क्योंकि मैं ढाई साल से इससे जूझ रही हूं। मैं ही नहीं मेरा परिवार...इस मंच पर और शायद आप सबमें वो बहुत वरिष्ठ लोग हैं जिन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया और प्रार्थना की कि आज सही सलामत ठीक-ठाक आपके सामने जीवित खड़ी हूं।"

नूपुर शर्मा ने आगे कहा, "35 गोलियां, नाखून उखाड़ दिए, पेट फाड़ दिया, आंख निकाल दी क्यों... दोबारा पूछूंगी क्या झंडा हटाने के लिए हमारे देश का कानून किसी की निर्मम हत्या की इजाज़त देता है क्या। ये बहुत आम बात हो गई है।"

नूपुर शर्मा ने मांगी माफी, कहा- मैंने मीडियो में सुना...

वीडयिो सोशल मीडयिा पर वायरल होने के बाद नूपुर शर्मा माफी मांगी। उन्होंने सोशल मीडयिा एक्स पर लखिा, 'दिवंगत राम गोपाल मिश्रा जी के बारे में जो मैंने मीडिया में सुना था वह मैंने दोहराया। मुझे पोस्ट मॉर्टम रिपोर्ट के स्पष्टीकरण के बारे में नहीं पता था। मैं अपने शब्द वापिस लेती हूँ और क्षमा मांगती हूं।"

बहराइच में हुई थी रामगोपाल की हत्या

महसी इलाके के महराजगंज में 13 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन यात्रा पर समुदाय वशिेष के युवकों ने पथराव कर दिया था। विरोध करने पर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद बवाल कुछ इस कदर बढ़ा कि महराजगंज व नगर कोतवाली क्षेत्र में तोड़फोड़ व आगजनी की गई। घटना के दूसरे दिन भी एक अन्य युवक की इलाज के दौरान मौत की अफवाह से हालात फिर बिगड़ गए और हिंसा भड़क गई। हालात बेकाबू इस कदर हुए कि एडीजी कानून व्यवस्था व सचिव गृह मौके पर पहुंचे। उपद्रवियों को काबू करने के लिए स्वयं एडीजी पिस्टल हाथ में थाम कर उन्हें दौड़ाते नजर आए। इसके बाद हालात सामान्य हुए। पूरे मामले में अब तक 112 लोगों की गिरफ्तारी पुलिस कर चुकी है। इनमें चार नामजद आरोपी शामिल हैं।

मंत्री राकेश सचान ने किया माटीकला मेले का उद्घाटन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड, लखनऊ द्वारा उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के 08 तिलक मार्ग, लखनऊ परिसर में दीपावली के शुभ अवसर पर 30 अक्टूबर 2024 तक 10 दिवसीय माटीकला मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए शिल्पकार मिट्टी से निर्मित अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों को 50 स्टॉलों के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे।

मेले का उद्घाटन खादी एवं ग्रामोद्योग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम निर्यात प्रोत्साहन, रेशम उद्योग और वस्त्र उद्योग मंत्री राकेश सचान द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया, इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने माटीकला उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी का अवलोकन किया। शिल्पकारों द्वारा मिट्टी से निर्मित उत्कृष्ट कलाकृतियों और माटीकला उद्योग के कियात्मक प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

अपने सम्बोधन में मंत्री राकेश सचान ने कहा कि योगी सरकार माटीकला कारीगरों और उनके उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्यरत है। मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत अब तक प्रदेश में 48,000 माटीकला कारीगर परिवारों को चिन्हित किया गया है। इसके तहत 13,607 विद्युत चालित चाक का वितरण किया जा चुका है और वर्ष 2024-25 के लिए 2,325 विद्युत चालित चाक और 375 पगमिल के वितरण का लक्ष्य है।

मंत्री ने बताया कि माटीकला कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए 603 जोड़ी लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की डाई, 31 पेंटिंग मशीन और 81 दीया मेकिंग मशीन भी वितरित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में 6 कॉमन फैसिलिटी सेंटर (पीलीभीत, रामपुर, कन्नौज, अमरोहा, फिरोजाबाद और बाराबंकी) की स्थापना की जा चुकी है, जो माटीकला उद्योग को सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

माटीकला उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अंतर्गत पिछले 4 वर्षों में 880 लाभार्थियों को बैंक ऋण स्वीकृत कराकर औद्योगिक इकाइयों की स्थापना कराई गई है। इस वर्ष 300 नई इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने माटीकला कारीगरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं, जिसके तहत पिछले 5 वर्षों में 13,583 कारीगरों को 3 दिवसीय आधुनिक उपकरण संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है, 880 कारीगरों को 7 दिवसीय उद्योग संचालन का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया है, और 5,286 कारीगरों को 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

मंत्री ने अपने सम्बोधन में यह भी बताया कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर लखनऊ के साथ ही कानपुर, झांसी, और वाराणसी में भी 7 दिवसीय भव्य माटीकला मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के 71 अन्य जनपदों में 3 दिवसीय लघु माटीकला मेले का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे शिल्पकारों को व्यापक मंच मिलेगा।

मंत्री ने जनता से अपील की कि दीपावली के शुभ अवसर पर इस प्रदर्शनी में अधिक से अधिक संख्या में आएं और शिल्पकारों द्वारा निर्मित कलात्मक उत्पादों की खरीदारी करें, ताकि शिल्पकारों को प्रोत्साहन मिले और उनके उत्पादों को व्यापक पहचान मिल सके।

मंत्री राकेश सचान ने 05 लाभार्थियों को विद्युत चालित चाक वितरण किया जिसमें सरोजिनी नगर के प्रभाकर, जहांनाबाद की रामवती, काठवाड़ा के गोकरन, डडौली की मनीषा प्रजापति और लखनऊ कैंटोनमेंट के सुधीश चन्द्र शामिल रहे।

महाप्रबंधक डॉ. उज्ज्वल कुमार ने बताया कि माटीकला मेले में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये शिल्पकार अपनी कलात्मक कृतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। मेले में 50 स्टॉल लगाए गए हैं, जिन पर विभिन्न प्रकार की माटीकला से जुड़ी वस्तुएं उपलब्ध हैं। लखनऊ के सिरेमिक्स, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, गोरखपुर का टेराकोटा, कानपुर के मिट्टी के बर्तन, खुर्जा के चीनी मिट्टी से बने उत्पाद और अन्य सजावटी सामान जैसे डिजाइनर दीये यहां उपलब्ध हैं। इस वर्ष प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण माटीकला बोर्ड द्वारा वितरित डाई से निर्मित लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां हैं। मेले में भाग लेने वाले कारीगरों को स्टॉल निरूशुल्क आवंटित किए गए हैं, जिससे वे अपने उत्पादों को बिना किसी वित्तीय दबाव के प्रदर्शित कर सकें और अधिकतम लाभ कमा सकें। उन्होंने बताया कि माटीकला कारीगरों के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश सरकार ने मंडल स्तर पर 270 और राज्य स्तर पर 15 कारीगरों को पिछले 5 वर्षों में पुरस्कृत किया है। इस वर्ष भी उत्कृष्ट कारीगरों को उनकी कलाकृतियों के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी- सिद्धार्थ यादव, सहायक निदेशक- संजय पांडे, योजना अधिकारी माटी कला बोर्ड-एल. के. नाग, सहायक विकास अधिकारी- अमित त्रिपाठी के अतिरिक्त अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बीपीसीएल नैनी की जमीन पर बनेगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सोमवार को पिकप भवन सभागार लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। जिसमें मंत्री नन्दी ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी वाला राज्य बनाने के लिए लैंड बैंक बढ़ाने और उद्योगों के विकास के लिए उद्यमियों को आवंटित करने के निर्देश दिए। मंत्री नन्दी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर वाला राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इस वर्ष 50 हजार एकड़ भूमि अधिग्रहित करने और 25 हजार एकड़ भूमि उद्योगों को स्थापित करने के लिए आवंटित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे पूरा करना सभी की जिम्मेदारी है। जिसके लिए अभी से लग जाएं। लैंड अलाटमेंट में तेजी लाएं। साथ ही पुरानी जमीन के अलाटमेंट का प्रयास करें। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास अनिल कुमार सागर एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीसीडा मयूर महेश्वरी के अलावा सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं औद्योगिक क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधक मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार की योजना के मुताबिक आगरा और प्रयागराज में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बनाया जाना है। जिसके लिए प्रयागराज के नैनी में स्थित बीपीसीएल की 231 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है। जिसे विकसित कर वहां उद्योग स्थापित किए जायेंगें। जिस पर मंत्री नन्दी ने नैनी में ईवी प्लांट स्थापित कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक में मंत्री नन्दी ने प्रदेश के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में अभी भी बड़ी संख्या में फैक्ट्रियों के बंद होने और उनकी जमीनें खाली पड़े होने पर नाराजगी जताई। साथ ही क्षेत्रीय प्रबंधकों को चेतावनी दी कि इस कार्य में लापरवाही कत्तई बर्दास्त नहीं की जाएगी। मंत्री नन्दी ने कहा कि सभी औद्योगिक क्षेत्रों में बड़ी संख्या में जमीनें खाली पड़ी हैं। इण्डस्ट्री बंद है, ऐसी जमीनों का उपयोग करने के लिए उद्यमियों को बाई बैक पॉलिसी की जानकारी दी जाए और रिएलाटमेंट कराने का भी प्रयास किया जाए। मंत्री नन्दी ने कहा कि बंद हो चुकी फैक्ट्री को पुनः चालू करने और उद्यमी को कम से कम नुकशान हो, इसके लिए ही बॉय बैक पॉलिसी बनाई गई है। जिसके तहत उद्यमी बंद हो चुकी फैक्ट्री यूपीसीडा को वापस कर सकता है, जिसके बदले में यूपीसीडा द्वारा वर्तमान दर का 60 प्रतिशत धनराशि आवंटी को भुगतान किया जाएगा।

भारत को भूख और गरीबी पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत

यहां दो और बातों को ध्यान में रखना चाहिए - पूर्ण गरीबी और सापेक्ष गरीबी। पूर्ण गरीबी वह गरीबी है जब किसी व्यक्ति के पास जीवित रहने के लिए भोजन खरीदने के लिए भी कोई आय नहीं होती है। सापेक्ष गरीबी वह गरीबी है जब किसी व्यक्ति के पास किसी खास बाजार की स्थिति में जीवित रहने के लिए आवश्यक चीजें खरीदने के लिए पर्याप्त आय नहीं होती है। हाल ही में जारी वैश्विकभूख सूचकांक 2024 और संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024 के मद्देनजर, नरेंद्र मोदी सरकार को देश में भूख और गरीबी के गंभीर स्तर पर अपनी आंखें मूंद कर नहीं बैठना चाहिए और देश में विकास की प्रकृति के बारे में बात किये बिना इसके सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का शोर मचाते हुए चेतावनियों को नहीं दबाना चाहिए, क्योंकि जिस तरह का विकास हो रहा है उससे असमानता तेजी से बढ़ रही है। वैश्विक भूख सूचकांक 2024 ने 100 के पैमाने पर केवल 27.3 के स्कोर के साथ भारत को गंभीर भूख स्तर की श्रेणी में रखा है, जबकि संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024 ने कहा कि भारत में दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा गरीब रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक गरीबी सूचकांक 2024 के अनुसार, भारत में 234 मिलियन लोग गरीबी में जी रहे हैं। ये सभी अनुमान भारत में 2011-12 में की गई गरीबी की गणना के अलावा कुछ अन्य आंकड़ों पर आधारित हैं। नवीनतम वास्तविक स्थिति जानने के लिए, भारत को भूख और गरीबी की गणना नये सिरे से करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास की कहानी मुख्य रूप से देश में जीडीपी वृद्धि पर निर्भर करती है, और जमीनी स्तर की असमानता, भूख और गरीबी को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देती है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में अर्थशास्त्रियों ने लंबे समय से यह माना है कि भारत का आधिकारिक जीडीपी आंकड़ा विकास को बढ़ा-चढ़ाकर बताता है। हाल ही में 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान, भारतीय राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने विकास के बारे में कुछ डेटा जारी किए, जिसकी कई अर्थशास्त्रियों ने बेशर्मी से बढ़ाचढ़ा कर अनुमान लगाने के रूप में आलोचना की। यह भी सर्वविदित है कि आंकड़ों को दबाने के दबाव के कारण-2019 में कुछ शीर्ष अधिकारियों के इस्तीफे सामने आये, जिन्होंने बेरोजगारी के वास्तविक स्तर को लीक कर दिया, जो 45 साल का उच्चतम स्तर था।

2023 में भी कुपोषण और एनीमिया (रक्ताल्पता) से जुड़े एक सर्वेक्षण के निदेशक को देश में इनकी उच्च-स्तरीय घटनाओं को उजागर करने के लिए अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। उल्लेखनीय है कि कुपोषण और एनीमिया के आंकड़ों का उपयोग देश में भूख और गरीबी का अनुमान लगाने के लिए कुछ आधारों के रूप में किया जाता है। यह भी याद रखना चाहिए कि कैसे मोदी सरकार ने 2018 के एक सर्वेक्षण को रद्द कर दिया था, जिसके लीक हुए आंकड़ों से गरीबी दर में वृद्धि का स्तर दिखा था। 2012 में अंतिम व्यापक उपभोग-व्यय सर्वेक्षण में 22 प्रतिशत लोगों को गरीबी में रहते हुए दिखाया गया था। अन्य विवरणों में जाने से पहले, कुछ और बातें ध्यान में रखनी चाहिए। भारत ने 1993-94 तक गरीबी के आकलन के लिए यूनिफ़ॉर्म रिसोर्स पीरियड (यूआरपी) का इस्तेमाल किया। यूआरपी के तहत, लोगों से 30-दिन की रिकॉल अवधि में उनके उपभोग व्यय के बारे में पूछा जाता था। फिर 1999-2000 के बाद से मिश्रित संदर्भ अवधि (एमआरपी) को अपनाया गया, जिसमें पिछले वर्ष में उपभोग की गई पांच कम आवृत्ति वाली वस्तुओं (कपड़े, जूते, टिकाऊ सामान, शिक्षा और संस्थागत स्वास्थ्य व्यय) के बारे में पूछा गया और 30-दिन की स्मरण अवधि में अन्य चीजों के उपभोग के बारे में भी पूछा गया। 2011-12 में गरीबी के आकलन में एमआरपी का इस्तेमाल किया गया। हालांति, अब हमारे पास संशोधित मिश्रित संदर्भ अवधि (एमएमआरपी) है जिसका उपयोग भविष्य के सर्वेक्षणों में किया जायेगा, जो अभी सरकार द्वारा किये जाने हैं।

वास्तविक समय के ताजा आंकड़ों के अभाव में, भारत में भूख और गरीबी से संबंधित सभी अनुमान क्रॉस सेक्टोरल डेटा पर आधारित अनुमान हैं। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 ने भारत को दुनिया के 127 देशों में से 105वां स्थान दिया है। भारत का जीएचआई स्कोर 27.3 इन मूल्यों पर आधारित है - 13.7 प्रतिशत आबादी कुपोषित है, पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे अविकसित (स्टन्टेड) हैं, पांच वर्ष से कम आयु के 18.7 प्रतिशत बच्चे कमज़ोर (वेस्टेड) हैं और 2.9 प्रतिशत बच्चे अपने पांचवें जन्मदिन से पहले ही मर जाते हैं। कुछ ही दिन पहले विश्व बैंक ने भी गरीबी का अनुमान जारी किया है। इसके अनुसार 2024 में भारत में अत्यंत गरीब लोगों की संख्या 129 मिलियन थी, जो प्रतिदिन 2.15 डॉलर (लगभग 181 रुपये) से कम पर जीवनयापन कर रहे थे। हालांकि, प्रतिदिन 6.85 डॉलर (लगभग 576 रुपये) के उच्च गरीबी मानक के साथ 2024 में 1990 की तुलना में अधिक भारतीय गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं, जो मुख्य रूप से 'जनसंख्या वृद्धि' के कारण है।

हरियाणा की तरह महाराष्ट्र और झारखंड हाथ से न जाने दे विपक्ष!

हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ कांग्रेस उत्साहितविपक्ष नहीं, सरकार करे आत्मपरीक्षण

शकील अख्तर

बूथ मैनेजमेंट आज के चुनाव की सबसे बड़ी जरूरत बन गए हैं। मगर कभी सुना नहीं कि कांग्रेस बूथ मैनेजमेंट, बूथ के अंदर पोलिंग एजेन्ट, मतदान के दिन काउन्टिंग एजेन्ट के प्रशिक्षण के लिए कुछ करती हो। मतदान के खत्म होने के बाद किस तरह ईवीएम के नंबर लेना है। ईवीएम का क्लोज बटन अपने सामने दबवाना है। इसके बाद उन फार्मों पर जिन पर पोलिंग बुथ पर कितने वोट पड़े की संख्या होती है साइन करना है। उसकी कापी लेना है।

2024 लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी जो कमजोर होते नजर आए थे उसकी कुछ भरपाई उन्होंने हरियाणा जीत कर कर ली और अगर अब महाराष्ट्र, झारखंड में इंडिया गठबंधन उन्हें नहीं रोक पाया तो वे फिर वापस 2024 लोकसभा चुनाव के पहले की मजबूत स्थिति में पहुंच जाएंगे।

यह दोनों विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए मुश्किल हैं। मगर हरियाणा तो करीब-करीब असंभव था। लेकिन कांग्रेस हारी। समझने की बात यह है कि वहां भाजपा नहीं जीती बल्कि कांग्रेस ने खुद अपनी गलतियों से हार को चुना। और यह गलतियां कोई नई नहीं हैं वही पुरानी गुटबाजी, अतिआत्मविश्वास जिसने पिछले दिनों राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ हराया उसी की पुनरावृति है।

अगर याद करो तो आप इनसे पहले पंजाब, उत्तराखंड भी इसी तरह हारे थे। गुजरात भी। 2017 में गुजरात में भाजपा को सौ के नीचे रोक दिया था। खुद 182 में से 77 सीटों पर जीती थी। और 2022 में कांग्रेस ने वहां बेमन से चुनाव लड़ा। राहुल केवल एक बार वहां गए। नतीजा बीजेपी ने रिकार्ड 156 सीटें जीतीं। और कांग्रेस 77 से सीधे 17 पर।

यह बैक ग्राउन्ड बताना इसलिए जरूरी है कि कांग्रेस ने इन हारों से कुछ नहीं सीखा। वह लोकसभा में 99 सीटें लाकर और भाजपा को 240 पर रोककर बहुत इत्मिनान में है। बीजेपी कमजोर हुई। प्रधानमंत्री मोदी पर इसका असर पड़ा।

लोकसभा में राहुल गांधी उनके सामने गरजे। यहां तक कि जो मोदी कभी दखलंदाजी नहीं करते वे भी नेता प्रतिपक्ष राहुल के चर्चित भाषण कि देश को कमजोर किया जा रहा है, नफरत और साम्प्रदायिकता फैलाई जा रही है के बीच में उठकर बोलने की कोशिश की। मगर राहुल ने उन्हें सटीक जवाब देते हुए कहा कि- नो नो नो! हिन्दू नहीं भाजपा और संघ हैं जो साम्प्रदायिकता फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री जी गलत बात मत कीजिए।

राहुल के उस भाषण ने राजनीति की दिशा बदल दी थी। उसके बाद राहुल ने कहा कि 56 इंच की छाती खत्म हो गई है अब वह मेरे किसी भाषण के दौरान मेरे सामने नहीं बैठेंगे। और निश्चित रूप से उसके बाद जिस तरह लेटरल एंट्री वापस लेनी पड़ी, वक्फ बिल जेपीसी को देना पड़ा, ब्राडकास्ट बिल वापस लिया, बजट में लाया कैपिटल गैन टैक्स वापस लिया उसने बताया कि मोदी जी अब कमजोर हो रहे हैं। लेकिन मोदी का कमजोर होना और कांग्रेस का ताकतवर होना दोनों अलग-अलग बातें हैं। मोदी को कमजोर हुए मगर कांग्रेस अपनी सेहत बनाने के मामले में लापरवाह ही रही। उसकी जीतते जीतते हारने की कमजोरी दूर नहीं हुई।

कांग्रेस जम्मू-कश्मीर पर थोड़ा इतराती है। मगर भूल जाती है कि अभी तक की सबसे कम सीटें उसे इस बार मिली हैं। केवल छह। वह तो नेशनल कांन्फ्रेंस ने इज्जत बचाई नहीं तो वहां कांग्रेस कुछ भी नहीं कर पाई। जम्मू जो उसका पुराना कार्यक्षेत्र था वहां वह बुरी तरह साफ हो गई। केवल एक सीट मिली। पांच कश्मीर ने दीं। जम्मू में कांग्रेस 29 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जिसमें से एक राजौरी सीट पर जीती और भाजपा ने यहां आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 29 सीटों पर जीत हासिल की। और एक मजेदार तथ्य यह कि नेशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू संभाग से 6 सीटें जीतीं।

मतलब 2024 लोकसभा के अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनाने में असफल रही और जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने में नेशनल कान्फ्रेंस की कोई खास मदद नहीं कर पाई। 55 विधायकों का समर्थन है। उमर अब्दुल्ला के पास। कांग्रेस के 6 के बिना भी 90 की विधानसभा में बहुमत। 49 विधायक।

कांग्रेस को सोचना होगा। ईवीएम की गड़बड़ी है। बहुत सवाल हैं मगर सारा दोष उस पर डालकर खुद की गुटबाजी, सही फैसले नहीं लेने, केजुअल एप्रोच, चुनाव पूर्व तैयारी न करने जैसे कई मुद्दों पर भी कांग्रेस को सोचना होगा। वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां होती हैं। बीजेपी विपक्ष के वोट कटवाती है, अपने वोट बढ़वाती है यह आरोप पिछले दस सालों से लग रहे हैं। लेकिन कांग्रेस चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पर ध्यान नहीं देती। भाजपा के पन्ना प्रमुख पर व्यंग्य करती है, खिल्ली उड़ाती है मगर यह नहीं देखती कि वे कितना काम करते हैं और भाजपा के लिए उपयोगी साबित हुए।

बूथ मैनेजमेंट आज के चुनाव की सबसे बड़ी जरूरत बन गए हैं। मगर कभी सुना नहीं कि कांग्रेस बूथ मैनेजमेंट, बूथ के अंदर पोलिंग एजेन्ट, मतदान के दिन काउन्टिंग एजेन्ट के प्रशिक्षण के लिए कुछ करती हो। मतदान के खत्म होने के बाद किस तरह ईवीएम के नंबर लेना है। ईवीएम का क्लोज बटन अपने सामने दबवाना है। इसके बाद उन फार्मों पर जिन पर पोलिंग बुथ पर कितने वोट पड़े की संख्या होती है साइन करना है। उसकी कापी लेना है और मतगणना से पहले तक स्ट्रांग रूम जहां ईवीएम मशीने रखी हैं उनकी निगरानी करना है। यह सारे काम अब करने की जरूरत है। चुनाव आयोग पर आरोप सही हैं। लेकिन विपक्ष को अपनी तरफ से भी कोई कसर छोड़ना नहीं चाहिए। पहले भी बताया कि कांग्रेस ने तो 2018 में दिल्ली में हुए अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में ईवीएम के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया था। मगर उसके बाद दो लोकसभा चुनाव हो गए। और कई विधानसभा। तो जब तक बीजेपी की केन्द्र में सरकार है चुनाव के तौर-तरीकों में बदलाव होना संभव नहीं दिखता। सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम के खिलाफ कोई राहत नहीं दी।

तो अब दो ही रास्ते हैं। एक जनता को ज्यादा से ज्यादा मोबलाइज करके वोट ज्यादा डलवाना। और दूसरे विपक्ष की अपनी तरफ से वह सारे काम करना वोटिंग लिस्टों के अंतिम प्रकाशन से पहले उनमें सुधार करवाना, लोगों को पोलिंग बूथ तक ले जाना, पोलिंग बूथ पर आखिरी क्षणों तक कड़ी निगरानी, उसके बाद फार्म 17 सी प्राप्त करना। गिनती में आखिरी तक रहना। गिनती से पहले मशीनों की निगरानी सब करना होगा।

याद रहे 1977 के चुनाव में जनता पार्टी ने सारा जोर भारी मतदान करवाने और मतगणना केन्द्रोंकी निगरानी पर लगाया था। इसका पहले से इतना प्रचार किया था कि लगने लगा था कि कोई बड़ी गड़बड़ी होने वाली है। जबकि चुनाव से पहले भी सरकार और चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया था कि यह अफवाहें हैं ऐसा कुछ नहीं है। बाद में साबित भी हुआ कि कहीं न कोई कोशिश थी, और न कुछ हुआ। मगर जनता पार्टी के हो हल्ले ने उसके वोटरों और कार्यकर्ताओं में माहौल बना दिया था। और फिर सबको मालूम है कि 1977 लोकसभा जनता पार्टी जीती और प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी तक खुद हारीं। आज विपक्ष को ऐसा ही माहौल बनाने की जरूरत है। तब तो भेड़िया आया भेड़िया आया- ऐसे ही चिल्ला कर लोगों को एकजुट कर लिया था। आज तो वह संकट सामने ही है। और अपनी कई झलक दिखला चुका है। चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं हो रहे इस पर तो आज सबको शंका है।

अजब-गजब

इस एक्ट्रेस को पार्क में मिला गंदा-बेघर हमसफर, पहली नजर में बदबूदार आदमी को दिल दे बैठी ये लड़की

कहते हैं प्यार का कनेक्शन सीधा दिल से होता है। ये रिश्ता दिल से दिल का होता है। इसको लेकर आपने आजतक कई तरह के किस्से पढ़े और सुने होंगे कि प्यार किसी की शक्ल-सूरत से नहीं देखता ये तो बस एक फीलिंग है, जो किसी को किसी के साथ अटैच कर देता है। हाल के दिनों में एक ऐसे ही लड़की की कहानी सामने आई है। जिसने इस बात को साबित कर दिया कि प्यार किसी की शक्ल-सूरत और पैसे से नहीं बल्कि उसके दिल से होता है।

यहां बात हो रही है स्वीडिश अभिनेत्री एमी एब्राहमसन के बारे में, इनकी शादी की कहानी बड़ी दिलचस्प है। अभिनेत्री ने अपने प्यार को लेकर कहा कि उन्हें एक दिन अचानक किसी अंजान शख्स से मेरी मुलाकात हुई और मैंने मात्र 20 मिनट का ही समय उसके साथ बिताया होगा, जिसके बाद उस शख्स ने मेरे ऊपर ऐसा जादू किया कि उसने हमेशा के लिए मुझे अपना बना लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये कहानी उस समय की है जब एमी अपने करियर के टॉप पर थी।

एमी बताती है कि एक दिन वो पार्क में टहल रही थी और उसी दिन उसे 25 साल के विक कोकुला नाम से मुलाकात हुई। उस वक्त वो इतना ज्यादा गंदा था कि आप उसे देख तक नहीं सकते थे। ऐसा लग रहा था कि वो कई दिनों से नहाया नहीं है। द सन में छपी रिपोर्ट के अनुसार विक को इस हालत में देखकर एमी खुद को रोक नहीं पाई और उसकी मदद करने के लिए वहां पहुंच गई और उसने 10 मिनट तक बात की और एमी को भी उसकी भूरी आंखें और हंसने का स्वभाव अच्छा लगा। इस मुलाकात के बाद ही एमी के दिल में प्यार जाग गया था। विक ने भी एमी से उसी पार्क की बेंच पर 6 दिन बाद मिलने का वादा किया। हालांकि डेट वाले दिन वो लेट पहुंचा लेकिन एमी को इस बात का बिल्कुल बुरा नहीं लगा क्योंकि उसके आने की उम्मीद एमी को नहीं थी।

दोनों ने एक-दूसरे को तीन महीने तक डेट किया। इसके बाद एमी वियाना चली गई और विक को अपना नंबर दिया, लेकिन विक के पास नंबर भी नहीं था। हालांकि विग ने अलग-अलग नौकरियों के जरिए एक फोन खरीदा और एमी के बर्थडे पर उसे फोन किया।

विक की इस कोशिश को देख एमी काफी ज्यादा खुश हो गई। इसके बाद एमी भी विक का पूरा ख्याल रखने लगी। इस रिश्ते में आने के बाद विग ने 5 साल तक पढ़ाई की और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री ली। उन्होंने स्वीडिश भी सीख ली और खुद को एमी से शादी के लिए तैयार किया। इस बात की खबर जब उसने अपनी फैमली और दोस्तों को दी तो उन्होंने मना विक से शादी करने के लिए मना कर दिया। इसके बावजूद एमी ने विक को नहीं छोड़ा और उससे शादी कर ली। अब वो दोनों एक कामयाब शादीशुदा जिदगी जी रहे हैं।

संपादक की कलम से

सावधान! दुनिया की आधी आबादी पर डेंगू का खतरा

प्रभात पांडेय

विशेष रूप से, भारत में संक्रमण की भौगोलिक स्थिति में भी बढ़त देखी जा रही है। यह बीमारी साल 2001 में केवल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बढ़कर साल 2022 में हर एक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गई।

भारत सहित दुनिया के देशों में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) सहित दुनिया के देश डेंगू को लेकर अब गंभीर हो गए हैं। इसका बड़ा कारण है कि दुनिया के 130 देश डेंगू की जद में आ चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस समय 4 अरब लोग डेंगू से प्रभावित हो रहे हैं और 2050 तक यह आंकड़ा पांच अरब को पार कर जाएगा। भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं।

डेंगू एक वायरल संक्रमण है जो एडीज़ एजिप्टी मच्छर द्वारा फैलता है। संक्रमण वाले ज़्यादातर लोगों में हल्के लक्षण दिखते हैं, लेकिन यह बीमारी बुखार, तेज़ सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, मतली और उल्टी, आँखों के पीछे दर्द और चकत्ते पैदा करती है। हालांकि, गंभीर मामलों में संक्रमण से अंदरूनी ब्लीडिंग हो सकती है और अगर समय पर ठीक से इलाज नहीं किया गया, तो मौत भी हो सकती है।

मॉनसून सीजन जुलाई से सितंबर तक एक्टिव रहता है। और यहां जुलाई के अंत में या अगस्त के शुरू में डेंगू का सीजन माना जाता है। बारिश की वजह से ही हर साल इन महीनों में जगह-जगह पानी जमा हो जाता है। और डेंगू एक ऐसी बीमारी है जो रुक-रुकर उभरती रहती है। भारत के शहरों में डेंगू के मामलों में उछाल के साथ ही इस साल दुनिया भर में रिकॉर्ड संख्या में डेंगू के मामले सामने आए हैं। इसमें ब्राजील और अन्य दक्षिण अमेरिकी देश सबसे ज़्यादा प्रभावित हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के डेटा से पता चलता है कि डेंगू के मामलों की संख्या साल-दर-साल लगातार बढ़ रही है।

भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं। भले ही यह माना जाता हो कि डेंगू के कारण मौत की दर बहुत कम है और सामान्यतः डेंगू सामान्य पेरासिटामोल और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार पेय पदार्थ एलोरा ज्यूस आदि लेने से ठीक हो सकता है। हालांकि कोल्ड ड्रिंक की सलाह नहीं दी जाती है। सामान्यतः यह माना जाता है कि डेंगू के कारण तेजी से प्लेटरेट में कमी आती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि प्लेटरेट से भी ज्यादा गंभीर होता है ब्लड प्रेशर में कमी आना है। प्लेटरेट के साथ ही ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखना जरुरी हो जाता है। यह ध्यान रखना अधिक जरुरी हो जाता है कि ब्लड प्रेशर लो नहीं होना चाहिए। डेंगू का असर सीधे लीवर पर पड़ता है और ब्लड के अंतःस्राव की समस्या हो जाती है। जो अपने आप में गंभीर होती है। उल्टी होने से डिहाईड्रेशन की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। दरअसल एक समस्या यह है कि डेंगू का पता भी तीन चार दिन बाद पता चलता है। इसलिए सावधानी सबसे बड़ी जरुरी हो जाती है। खैर सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन अब अधिक गंभीर हो गया है।

नेशनल वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जून के अंत तक डेंगू के 32 हजार से अधिक मामले सामने आए और 32 मौतें हुईं। पिछले दो महीनों में यह संख्या बढ़ने की संभावना है। अगस्त की शुरुआत में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा था कि भारत में इस साल डेंगू के मामलों की संख्या में 2023 की इसी अवधि की तुलना में लगभग 50 फीसदी की बढ़त देखी गई है। डेंगू अब किसी देश की सीमा में बंधा नहीं रह गया है। देश दुनिया की सरकारों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने डेंगू बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। दरअसल डेंगू की गंभीरता को देखते हुए ही गैर सरकारी वर्ल्ड मास्कीटों प्रोग्राम के तहत एंटीडेंगू मच्छर विकसित किया गया है। 2023 में इंडोनेशिया में इनका प्रयोग किया जा चुका है और इनके प्रभाव से 95 प्रतिशत तक सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

विशेष रूप से, भारत में संक्रमण की भौगोलिक स्थिति में भी बढ़त देखी जा रही है। यह बीमारी साल 2001 में केवल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बढ़कर साल 2022 में हर एक राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गई। इसमें लद्दाख में भी साल 2022 में पहली बार दो मामले सामने आए थे। डेंगू के मामलों में उछाल के पीछे क्या कारण है? द लैंसेट के संपादकीय में 'शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और लोगों तथा वस्तुओं की आवाजाही' को डेंगू और इसके मच्छरों के प्रसार में सहायक बताया गया है।

डेंगू पचास साल पहले केवल कुछ देशों में ही फैलता था। आज इसका प्रकोप दुनिया के 120 देशों में फैल चुका है। परिवहन के साधनों के जरिए डेंगू के मच्छर पूरी दुनिया में फैल गए हैं। इसके साथ ही शहरीकरण और हर तरह के नए बसावटों से ये मच्छर फैलते गए, इनकी तादाद बढ़ती ही जा रही है। डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी के तार क्लाइमेट चेंज से भी जोड़े जाते हैं।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए सबसे पहले, लोगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि मच्छर उनके घरों या उनके पड़ोस में न पनपें। गमलों और पक्षियों के नहाने की जगह वगैरह में पानी के जमाव को रोकने की जरूरत है। दूसरा, लोगों को मच्छरों के काटने से खुद को बचाने की आवश्यकता है। एडीज एजिप्टी मच्छर दिन में काटते हैं। इसलिए, विशेष रूप से मानसून के दौरान पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने से मच्छर काटने से बचा जा सकता है। तीसरा, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को निगरानी और प्रकोप की भविष्यवाणी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। आखिरकार यही डेंगू के बढ़ते मामलों की संख्या और इसके चलते संक्रमण के कारण होने वाली मौतों को कम करने में मदद करेगा।

कार रोकी, पता पूछा और बरसाईं गोलियां... भदोही में इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही से सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां बाइक सवार दो बदमाशों ने इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना भदोही के बसावनपुर अमिलौरी के पास की है। मृतक का नाम योगेंद्र बहादुर सिंह है। उनकी उम्र 56 साल बताई जा रही है। योगेंद्र श्री इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज में प्रिंसिपल थे। पुलिस ने बताया कि कार से योगेंद्र जा रहे थे। इसी बीच, बाइक से दो बदमाश आए और उनकी कार को रोक दिया। कार के रुकते ही बदमाशों ने योगेंद्र पर कई राउंड फायरिंग की।

प्रिंसिपल के भतीजे ने बताई कहानी

प्रिंसिपल के भतीजे शिवम सिंह ने बताया कि घर से कुछ दूरी पर सिंचाई नलकूप के पास बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। योगेंद्र बहादुर के ड्राइवर संतोष सिंह ने बताया कि सर को घर से लेकर स्कूल जा रहे थे। इसी बीच, काले रंग की अपाची बाइक पर सवार दो बदमाशों ने पता पूछने के बहाने कार को रोक दिया। जैसे ही कार का शीशा खुला तो बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने असलहे से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

ड्राइवर संतोष ने बताया कि जख्मी हाल में सर को कार से अस्पताल ले जाने लगे, तभी एक अन्य बदमाश ने टायर में गोली मारकर पंचर कर दिया। बावजूद इसके सर को आनन फानन में महाराजा बलवंत सिंह राजकीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस संबंध में इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज के प्रबंधक आशीष सिंह बघेल ने कहा कि घटना की सूचना मिलही मैं तत्काल मौके पर आया हूं। यह बहुत ही दुखद घटना है। विद्यालय व समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उनकी छवि पूरी तरह बेदाग रही है। कॉलेज में लंबी सेवा दी है।

क्या बोले एसपी?

भदोही के पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि प्रिंसिपल योगेंद्र बहादुर सिंह की हत्या की घटना सामने आई है। घटना स्थल पर फोरेंसिक व डॉग स्कवॉयड की टीम गई थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बदमाशों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सड़कों पर घूमीं 'बुर्के वाली महिलाएं', हाथों में ले रखे थे ऐसे पोस्टर, पुलिस ने दिए जांच के आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में एक मिनट 20 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडिया @mr ।nazar_motivation_94 अकाउंट से पोस्ट किया गया है। वीडियो में बुर्का पहने कुछ महिलाएं अन्य मुस्लिम महिलाओं को हाथ में प्ले कार्ड लेकर जागरूक करती नजर आ रही है। प्ले कार्ड में लिखा हुआ है कि बेटी को दीन सिखाओ मुर्तद होने से बचाओ। यह पूरा वीडियो जिले के मकबरा इलाके का बताया जा रहा है।

मुरादाबाद के मकबरा इलाके के मुख्य बाजार का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में बुर्का पहनी कुछ महिलाएं अन्य मुस्लिम महिलाओं को जागरूक करती हुई नजर आ रही है। वीडियो के बैकग्राउंड में एक म्यूजिक जोड़ा गया है, जिसमें यह कहा जा रहा है कि

इस्लाम की शहजादियां, इस्लाम की शहजादियां, तुम इनको गिरा ना पाओगे। बुर्का पहनी महिलाएं अपने हाथ में प्ले कार्ड लेकर बाजार में अन्य मुस्लिम महिलाओं को दीन के रास्ते चलने के लिए जागरूक करती हुई नजर आ रही है।

प्ले कार्ड लेकर जागरूकर करती दिखी महिलाएं

महिलाओं ने अपने हाथ में कई प्ले कार्ड भी लिए हुए हैं, जिसमें उन्होंने महिलाओं को दीन के रास्ते चलने के लिए जागरूक करने वाले कई स्लोगन लिखे हुए हैं। प्ले कार्ड में 'बेटियों को मोबाइल नहीं कुरान और हिजाब दे, 'हम बेटियों ने यह ठाना है घर-घर दीन पहुंचना है' और 'बेटी को दीन सिखाओ मुर्तद होने से बचाओ' जैसे स्लोगन लिखे हुए हैं। महिलाओं ने यह वीडियो बेटियों को जागरूक करने के उद्देश्य से बनाई गई और सोशल मीडिया पर पोस्ट की है।

पुलिस ने लिया संज्ञान

वायरल हो रही वीडियो पर मुरादाबाद पुलिस ने संज्ञान लिया है। पुलिस वायरल वीडियो की जांच करवा रही है। वीडियो की जांच मुरादाबाद पुलिस की सोशल मीडिया सेल के अलावा थाना पुलिस भी कर रही है। वहीं, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वीडियो के जांच के आदेश दिए है।

रामपुर सांसद की सदस्यता पर मंडरा रहा खतरा, इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज सुनवाई

आर्यावर्त संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश की हाई प्रोफाइल लोकसभा सीट रामपुर से सपा के टिकट पर सांसद बने मोहिबुल्लाह नदवी की सदस्यता पर सियासी संकट गहराता जा रहा है। बीजेपी के पूर्व सांसद घनश्याम लोधी ने मोहिबुल्लाह की सदस्यता को समाप्त करने के लिए दायर की गई याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी। जस्टिस सीके राय की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। रामपुर के सांसद मोहिबुल्लाह पर नामांकन के दौरान हलफनामे में गलत जानकारी देने का आरोप लगाया गया है। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ही बीजेपी के प्रत्याशी रहे घनश्याम सिंह लोधी ने मोहिबुल्लाह नदवी के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इस पर हाईकोर्ट ने 21 सितंबर को नोटिस जारी करके मोहिबुल्लाह से जवाब मांगा था। अब 21 अक्टूबर को अब मामले की सुनवाई शुरू हो रही है। मोहिबुल्लाह नदवी को अब अपना जवाब कोर्ट को देना है, जो उन पर आरोप लगाए गए हैं। इस तरह से रामपुर में एक बार फिर से आजम खान पार्ट टू शुरू हो गया है।

गलत जानकारी देने का आरोप

बीजेपी उम्मीदवार और पूर्व सांसद घनश्याम सिंह लोधी के द्वारा दायर की गई याचिका में कहा गया है कि मोहिबुल्लाह नदवी ने अपने नामांकन पत्र में कई जानकारियां छिपाई हुई थी। इसमें मोहिबुल्लाह पर अपनी शादी की बात छिपाने के साथ-साथ दिल्ली वक्फ बोर्ड में चल रहे मुकदमें और अपने पेशे की गलत जानकारी देने का आरोप लगाया गया है। घनश्याम लोधी ने कहा कि इस आधार पर मोहिबुल्लाह के निर्वाचन रद्द कर दिया जाना चाहिए। जस्टिस सीके राय की सिंगल बेंच में इस मामले की सुनवाई हो रही है। घनश्याम सिंह लोधी ने अपने अधिवक्ता शरद शर्मा के जरिए हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। अधिवक्ता शरद शर्मा ने बताया कि हाईकोर्ट ने सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को नोटिस जारी करके जवाब मांगा था, जिसे दाखिल करने की सोमवार को तारीख है। सपा सांसद को हाईकोर्ट में अपना जवाब दाखिल करना होगा, अगर वो आज यानी 21 अक्टूबर को अपना जवाब दायर नहीं करते हैं तो हाई कोर्ट उन्हें अगली तारीख दे सकता है। इस तरह से कोर्ट उन्हें तीन बार जवाब दायर करने के तीन मौके देगा, अगर वो निर्धारित तारीख पर अपना जवाब दाखिल नहीं करते हैं तो फिर कोर्ट सख्त फैसला लेगा।

निर्वाचन निरस्त करने की मांग

रामपुर लोकसभा सीट से सपा के उम्मीदवार मोहिबुल्लाह नदवी को 4 लाख 81 हजार 503 वोट हासिल हुए थे जबकि बीजेपी प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी को 3 लाख 94 हजार 69 वोट मिले हैं। इस तरह सपा ने 87 हजार 434 वोटों से जीत दर्ज की थी। इसके बाद घनश्याम लोधी ने कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने अपने नामांकन पत्र में कई जानकारियां छिपाई थीं। इस आधार पर उनका निर्वाचन निरस्त कर दिया जाना चाहिए।

मोहिबुल्लाह ने की पांच शादी

सांसद मोहिबुल्लाह नदवी की पांच शादियां हुई हैं, जिसमें उनकी पहली पत्नी संभल की थी। इसके बाद दूसरी रायबरेली और तीसरी रामपुर जिले की थी। मोहिबुल्लाह ने चौथी शादी आगरा निवासी रोमाना परवीन से की थी और पांचवी शादी संभल की समरा नाज से हुई है। मोहिबुल्लाह की आगरा वाली पत्नी के साथ मुकदमा चल रहा है। रोमाना परवीन के साथ मारपीट और दहेज उत्पीड़न का मामला आगरा कोर्ट में है। हालांकि, मोहिबुल्लाह नदवी के तरफ से कहना है कि उन्होंने रोमाना परवीन को तलाक दे रखा है, लेकिन याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को तलाक नहीं माना है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार को रौंदा

प्रयागराज। यमुनानगर के नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित बांध रोड, अरैल इलाके में रविवार की देर शाम तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। घटना में विवाहिता समेत अन्य लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची नैनी पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए स्वरूप रानी अस्पताल भेज दिया। जहां इलाज के दौरान तीन साल के मासूम बच्चे ने दम तोड़ दिया। जबकि अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। मौके पर पुलिस ने स्कार्पियो को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनी के अरैल बांध रोड पर रविवार देर शाम बाइक से रवि भारतीय (17) पुत्र राजेन्द्र भारतीय निवासी बलापुर थाना घूरपुर, नितिन (25) पुत्र हरिओम निवासी लालापुर व मोना (24) पत्नी नितिन व तीन माह का आरव पुत्र नितिन को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। जिससे चारों गंभीर रूप से घायल हो गए।

'कॉलर पकड़कर लात-घूंसे बरसाए...' मथुरा में बीजेपी एमएलए के भाई और समर्थकों ने अस्पताल में कर्मचारियों को पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बीजेपी विधायक के भाई और उनके समर्थकों ने एक अस्पताल के कर्मचारियों के साथ मारपीट की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, इस मामले में विधायक ने कहा कि उनकी मां की तबीयत खराब थी। वह अस्पताल में भर्ती थीं। स्टॉफ कर्मियों ने उनके घरवालों के साथ अभद्रता की।

मथुरा के मांट विधानसभा सीट से राजेश चौधरी ने विधायक का चुनाव बीजेपी के टिकट पर जीता है। आरोप है कि इनके भाई व प्रतिनिधियों ने डी एस हॉस्पिटल में घुसकर स्टॉफ के साथ मारपीट की। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि अस्पताल के अंदर अचानक ही चार-पांच लोग आते हैं और कर्मचारियों के साथ मारपीट करने लगते हैं। कर्मचारियों

का कॉलर पकड़कर घसीटते हुए अस्पताल के रूम से बाहर ले जाते हुए दिखते हैं और उनकी लात-घूंसों से पिटाई करते हैं।

अस्पताल के संचालक ने बताया

अस्पताल के संचालक ललित ने बताया कि बीजेपी विधायक राजेश चौधरी की मां डी एस हॉस्पिटल में भर्ती हैं, जहां उनका इलाज चल रहा है। आरोप है कि बीजेपी विधायक राजेश चौधरी के भाई दो-तीन लोगों को साथ लेकर आए और आईसीयू में रिकॉर्डिंग करने लगे। स्टॉफ की ओर से मना करने पर विधायक के भाई संजय दीपू और उनके प्रतिनिधि भड़क गए। इसके बाद अस्पताल के कर्मचारियों के साथ जमकर मारपीट की।

क्या बोले बीजेपी विधायक?

इस बारे में भाजपा विधायक राजेश चौधरी का कहना है कि उनकी मां की तबीयत खराब थी। स्टॉफ की ओर से उनके घरवालों के साथ अभद्रता व मारपीट की गई। वहीं, डी एस हॉस्पिटल के संचालक डॉ ललित का कहना है कि आईसीयू में वीडियोग्राफी और रिकॉर्डिंग प्रतिबंधित है। इससे इंफेक्शन फैलने की संभावना रहती है। इसी के कारण स्टॉफ ने उनसे वीडियोग्राफी रिकॉर्डिंग करने से मना किया था। इसी को लेकर कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सच्चाई जो भी हो, जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का जिक्र और नोटिस की संख्या... बहराइच बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाते वक्त इलाहाबाद हाई कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। बहराइच में बुलडोजर एक्शन पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने 15 दिन के लिए रोक लगा दी। इस मामले में कल यानी रविवार को अर्जेंट बेसिस पर सुनवाई हुई थी। पीडब्ल्यूडी विभाग की तरफ से जिन 23 लोगों के घरों पर नोटिस चस्पा गया था। कोर्ट ने उन्हें अपना जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिन का समय दिया। सुनवाई के दौरान इलाहाबाद हाई कोर्ट लखनऊ बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश और नोटिस की संख्या का जिक्र किया।

बहराइच बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाते वक्त जस्टिस अताउ रहमान मसूदी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की बेंच ने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग ने अतिक्रमण हटाने के लिए जिन लोगों के घरों पर नोटिस चिपकाया है, उसमें कुंडासर-महसी-नानपारा-महराजगंज, जिला मार्ग के किलोमीटर 38 पर स्थित उन घरों की संख्या नहीं बताई गई है,

जिन्हें निर्माण के लिए विधिवत अधिकृत किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने और क्या कहा?

कोर्ट ने कहा कि सीमित लोगों के घरों पर नोटिस चिपकाया गया है इसलिए इसे सार्वजनिक महत्व के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता है। मुझे पूरी उम्मीद है कि यूपी सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करेगी। दरअसल, देश में बुलडोजर एक्शन का मामला सुप्रीम कोर्ट में है, इसलिए फुल स्टे होगा या नहीं, ये शीर्ष अदालत तय करेगा। फिलहाल बहराइच में बुलडोजर एक्शन पर 15 दिन के लिए अंतरिम रोक रहेगी। वहीं, बहराइच बुलडोजर एक्शन के मामले में अब अगली सुनवाई 23 अक्टूबर को होगी।

23 लोगों के घर चस्पा किया गया था नोटिस

बहराइच में 13 अक्टूबर की हिंसा के बाद 17 अक्टूबर को आरोपी सहित 23 लोगों के घरों पर नोटिस चस्पा किया गया था। पीडब्ल्यूडी विभाग ने लोगों को अतिक्रमण हटाने के लिए तीन दिन का वक्त दिया था। विभाग ने कहा था कि अतिक्रमण न हटाने पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की जाएगी। कुछ घरों पर बुलडोजर चली भी। इसके बाद लोग अपने-अपने घरों को खाली करने लगे। बहराइच में 13 अक्टूबर को मुर्ति विसर्जन के दौरान हिंसा हुई थी। इस हिंसा में रामगोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस कांड में शामिल 25 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जयशंकर प्रसाद का बोध विश्वबोध है : प्रो सत्यकाम

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। जयशंकर प्रसाद का साहित्य बोध, विश्वबोध है। प्रसाद मानता की बात करते है। आजादी के बाद और उसके पहले सबसे बड़ा प्रश्न यहीं था कि स्वामी विवेकानंद और स्वामी परमहंस जैसे लोगों ने इसको खोजने का प्रयास किया। यह बातें राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विश्विवद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने अपने विचार रखते हुए कही।

जयशंकर प्रसाद की रचनाशीलता पर उन्होंने कहा कि गीता के अध्ययन की बात करने के साथ ही कहा कि हमे भारत ढूढ़ने के प्रयास में इनका भी अध्ययन अवश्य करन चाहिए। प्रसाद के भारतबोध को समझने के लिए पहले भारत को समझना जरुरी है। यही वैश्विक बोध भारतबोध से निकला हैं, यह बोध भारत से ही विश्व में फैला। भारतीय ज्ञान परम्परा एवं उनका चिंतन आध्यात्मिक हैं। प्रसाद ठेठ आधुनिक बोध के कवि हैं, और उनकी रचानाएं पराधीनता से मुक्ति की आकांक्षा रखती है।

हिन्दुस्तानी एकेडेमी में जयशंकर प्रसाद पर केन्द्रित दो दिवसीय 'जयशंकर प्रसाद के साहितय में भारतबोध' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत गाँधी सभागार में पाँच सत्रों में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रारम्भ में प्रयागराज के वरिष्ठ साहित्यकार रविनंदन सिंह ने आमंत्रित अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न और शॉल देकर किया। अतिथियों का स्वागत करते हुए रविनंदन सिंह ने कहा कि 'साहित्य, संस्कृति को किसी एक सीमा में नहीं बाधा जा सकता। यह हवा और जल कि तरह है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए भोपाल से आए प्रो. विजय बहदुर सिंह ने कहा कि वर्तमान को समझने के लिए अतीत में जाते हैं।

करवा चौथ पर घर में नहीं था पति, पत्नी ने बॉयफ्रेंड से कर ली शादी... चांद देख तोड़ा व्रत

आर्यावर्त संवाददाता

मऊ। 20 अक्टूबर को जहां देशभर में करवा चौथ का त्योहार मनाया जा रहा था। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति के लिए करवा चौथ का व्रत रखा था। वहीं, उत्तर प्रदेश के मऊ में तो एक महिला ने हद ही कर डाली। पति के होते हुए, उसने प्रेमी से शादी कर ली। पति उस वक्त घर पर मौजूद नहीं था। लोगों ने इस शादी के वीडियो भी बनाए जो कि खूब वायरल हुए हैं।

मामला थाना कोपागंज क्षेत्र का है। यहां गौरीशंकर मंदिर में करवा चौथ के लिए प्रेमी जोड़े ने शादी की। हैरानी की बात ये थी कि महिला पहले से ही शादीशुदा है। बावजूद इसके उसने बॉयफ्रेंड से शादी कर ली। पति को जैसे ही इसकी भनक लगी तो वो घर आया। उसने बीवी से इसका जवाब मांगा। दोनों के बीच बहसबाजी शुरू हो गई। हंगामा बढ़ा तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दोनों

पक्षों को थाने बुलाया।

पत्नी को अपने प्रेमी संग थाने पहुंच गई। लेकिन पति नहीं पहुंचा। फिलहाल मामले में जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, प्रमिला नामक युवती की शादी भीटी मोहल्ला के रहने वाले आकाश संग हुई थी। लेकिन प्रमिला का पहले से ही एक प्रेमी था, जिसका नाम विजय शंकर है। विजय सभा लैरो गांव का रहने वाला है। शादी के बाद भी प्रमिला और विजय का अफेयर चलता रहा।

10 दिन पहले भागने की तैयारी

10 दिन पहले प्रमिला ने आकाश को छोड़कर विजय शंकर के साथ भागने का फैसला किया। वो उसके साथ भाग भी गई। लेकिन, दोनों परिवारों में समझौता होने के बाद प्रमिला कुछ समय के लिए अपने पति के पास वापस लौट आई। इस बीच आकाश किसी काम से शहर से बाहर गया। फिर दिन आया 20 अक्टूबर, यानि करवा चौथ का दिन। घर में कोई था नहीं तो प्रमिला ने मौका देखकर फिर से विजय के साथ भागने का निर्णय लिया।

पुलिस लेकर पहुंचा पति

प्रमिला और विजय ने रविवार को गौरीशंकर मंदिर में शादी कर ली। इस दौरान लोग वहां कई लोग इकट्ठा हो गए। इस अनोखी शादी का वीडियो बनाने लगे, जोकि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। आकाश को जब इस बात की जानकारी मिली तो वह रात को पुलिस के साथ प्रमिला के घर पहुंचा। लेकिन उनकी बातचीत नहीं बनी। दोनों पक्षों के बीच झगड़ा होने के बाद उन्हें थाने बुलाया गया। लेकिन अगले दिन आकाश थाने नहीं पहुंचा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समाज के बहुमूल्य रत्न और सामाजिक संत थे बसंत-महापौर

प्रयागराज। तुलसी विवाह महोत्सव समिति प्रयागराज के द्वारा श्री राम मंदिर हीवेट रोड के प्रांगण में आयोजित किया गया।

शोक सभा में पूर्व पार्षद बसंत लाल आजाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि स्वर्गीय बसंत लाल आजाद सामाजिक संत के रूप में समाज के बहुमूल्य रत्न थे। उनका संपूर्ण जीवन समाज और सनातन धर्म के प्रति समर्पित रहा है। उन्होंने सामाजिक संत बनकर लोगों को समाज सेवा की प्रेरणा दी।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए चीफ वार्डन अनिल केसरवानी, पूर्व पार्षद विजय वैश्य, हरिश्चंद्र गुप्ता, यज्ञाचार्य संतोषानंद महाराज, कृष्ण भगवान केसरवानी, व्यापारी नेता सतीश केसरवानी, भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी, कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला, राजीव कृष्ण बंटी और अमर वैश्य मुन्ना भैया ने कहा कि बसंत लाल आजाद का योगदान समाज कभी नहीं भूल पाएगा।

हैवान से लड़ी... चबा गई उंगली, करवाचौथ पर घर लौट रही कांस्टेबल से रेप, दरिंदगी की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। करवाचौथ के मौके पर ससुराल जा रही महिला पुलिसकर्मी दरिंदगी का शिकार हो गई। उत्तर प्रदेश महिला पुलिस की हेड कांस्टेबल को सुनसान इलाके में अकेला पाकर दरिंदे ने उसके साथ रेप किया। घटना को कानपुर के सेन पश्चिम पारा थाना इलाके में अंजाम दिया गया। दरअसल, अयोध्या में तैनात महिला पुलिस हेड कांस्टेबल करवा चौथ त्योहार मनाने के लिए अपनी ससुराल जा रही थी। दरिंदगी की इस घटना को अंजाम देने वाला आरोपी वहीं गांव का रहने वाला था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। शनिवार को महिला हेड कांस्टेबल अयोध्या से कानपुर अपने गांव जा रही थी, वह सादी वर्दी में थी। ससुराल वाला गांव आने के कुछ दूर पहले महिला एक सुनसान रास्ते से गुजर रही थी। तभी एक युवक जबरदस्ती उसे खेत में घसीट ले गया

और उसका रेप किया। कांस्टेबल ने इसका विरोध किया और इस दौरान आरोपी के साथ उसकी जमकर हाथापाई हुई। हालांकि, वो आरोपी के चंगुल से खुद छुड़ा नहीं पाई और वो दुष्कर्म करने में सफल रहा।

एसीपी घाटमपुर रंजीत कुमार ने बताया कि अंधेरा होने के चलते आरोपी ने हेड कांस्टेबल को खेत में ले जाकर के उसके साथ बलात्कार किया, उसके कपड़े फाड़ दिए। आरोपी बगल के गांव का था जिसका नाम धर्मेंद्र उर्फ कल्लू है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे जेल भेज दिया गया है।

पीड़िता हेड कांस्टेबल ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने जब उसे खेत में घसीटने का प्रयास किया तो उसकी उससे जमकर मारपीट हुई। इस दौरान महिला हेड कांस्टेबल ने आरोपी की एक उंगली भी चबा ली, जिसके चलते महिला सिपाही का एक दांत भी टूट गया। उसके बाद भी आरोपी ने महिला के कपड़े फाड़कर रेप की घटना को अंजाम दे डाला।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सेन थाना पुलिस ने बताया कि महिला हेड कांस्टेबल की शिकायत पर क्षेत्र में तत्काल सर्च ऑपरेशन चलाया गया और महिला कांस्टेबल की बताई गई पहचान, चेहरे पर दाग और उंगली काटी होने कारण आरोपी को कुछ ही घंटे बाद पकड़ लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपना जुर्म कबूल लिया है।

सामान्य नहीं है सांस फूलने की समस्या, दिल और फेफड़ों से हो सकती है संबंधित

सांस फूलने की समस्या सामान्य लगती है, लेकिन यह दिल और फेफड़ों, दोनों से संबंधित हो सकती है। इसलिए जब, बात-बेबात दम फूलने लगे तो इस पर गंभीरता से ध्यान दें।

जब हम दौड़ते हैं, सीढ़िया चढ़ते हैं या व्यायाम करते हैं तो हमारी सांसें फूलती ही हैं। शरीर पर अतिरिक्त तनाव पड़ने के कारण ऐसा होता है जो कि बहुत सामान्य बात है। परंतु, थोड़ा चलने, बात करने पर या फिर बैठे-बैठे ही सांसों का फूलना बिलकुल भी सामान्य नहीं है।

सांसों के फूलने की समस्या को अक्सर फेफड़ों से जोड़कर देखा जाता है, जो कि सही है। परंतु पूरा सच है कि यह समस्या फेफड़ों से जुड़ी होने के साथ-साथ दिल से जुड़ी समस्याओं की ओर भी संकेत करती है। कई मामलों में अधिक वज़न भी इसका कारण बन सकता है।

सांस फूलना कब असामान्य है?

जब व्यक्ति को सामान्य परिस्थितियों में भी सांस लेने में कठिनाई महसूस होने लगे तो यह असामान्य है। इस दौरान सीने में जकड़न, भारीपन और सांस लेने के दौरान थकान का अनुभव हो सकता है। आराम की स्थिति में, खांसते समय, बात करते वक़्त सांस फूलना सामान्य नहीं है।

सांस फूलने से दिल का संबंध

सांस फूलने का दिल की बीमारी के साथ सीधा संबंध हो सकता है। जब हृदय ठीक तरह से कार्य नहीं कर पाता है तो शरीर को आवश्यक मात्रा में ऑक्सीज़न नहीं मिलती है। इससे शरीर में ऑक्सीज़न की कमी हो जाती है, जिससे श्वसन प्रणाली पर अत्यधिक दबाव पड़ता है और सांस लेने में कठिनाई होने लगती है। इसके अलावा कोरोनरी धमनी रोग में हृदय को रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में रुकावट होती है, तो हृदय को पर्याप्त ऑक्सीज़न नहीं मिल पाती, जिससे हृदय कमज़ोर हो जाता है और शरीर को ऑक्सीज़न की कमी होने से सांस फूलने की समस्या होने लगती है।

दिल की धड़कन की अनियमितता जिसे एरिथमिया कहा जाता है के चलते हृदय को शरीर के विभिन्न हिस्सों में पर्याप्त रक्त पंप करने में कठिनाई होती है। हृदय के सही तरीक़े से रक्त प्रवाहित नहीं कर पाने के कारण सांस फूलने की समस्या पैदा हो सकती है। इसके अलावा, हृदय में मौजूद रक्त प्रवाह को नियंत्रित करने वाले वॉल्व में जब कोई ख़राबी आती है, तो हृदय पर अधिक दबाव पड़ता है। इससे फेफड़ों में तरल पदार्थ जमा हो सकता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है।

जब फेफड़ों की समस्या होती है...

शरीर को ऑक्सीज़न पहुंचाने का काम मुख्य रूप से फेफड़ों के द्वारा किया जाता है। इसलिए यदि फेफड़ों में कोई समस्या है तो सांस लेने में कठिनाई महसूस हो सकती है। फेफड़ों में जब किसी तरह की समस्या जैसे- अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज़ और संक्रमण आदि होता है तो ये भी सांस फूलने की समस्या के लिए ज़िम्मेदार हो सकते हैं।

अधिक वज़न भी है कारण

सांस फूलने का एक कारण मोटापा भी हो सकता है। जब किसी व्यक्ति का वज़न एक सीमित मात्रा से अधिक हो जाता है, तो उसके हृदय और फेफड़ों पर अतिरिक्त दबाव पड़ने लगता है, जिससे शरीर को अधिक मात्रा में ऑक्सीज़न की आवश्यकता होती है और हृदय को ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इसके चलते सांस फूलने की समस्या पैदा हो सकती है। विशेष रूप से जब कोई भी शारीरिक गतिविधि करते हैं तो सांस फूल सकती है।

ये भी हो सकती हैं वजहें...

ख़ून में हीमोग्लोबिन की कमी होने से भी शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीज़न नहीं मिल पाती, जिससे सांस फूलने की समस्या हो सकती है। ख़राब जीवनशैली जैसे अस्वस्थ खान-पान, अधिक धूम्रपान, एलर्जी, तनाव और रक्तचाप भी इस समस्या के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

नज़रअंदाज़ नहीं, उपचार करें

सांस फूलने की समस्या का इलाज उसके कारण पर निर्भर करता है। यदि इसका कारण हृदय से जुड़े कोरोनरी धमनी रोग, वॉल्व संबंधी रोग, कमज़ोर हृदय या उच्च रक्तचाप है, तो इन समस्याओं के लिए डॉक्टर की सलाह पर दवाओं या सर्जरी की आवश्यकता हो सकती है।

दिल की बीमारियों के लिए दवाओं या सर्जरी के साथ-साथ जीवनशैली में सुधार और उचित देखभाल भी आवश्यक है।

एलर्जी के कारण यदि यह समस्या है तो डॉक्टर की सलाह पर एंटी-हिस्टामिन दवाइयां ली जा सकती हैं। गंभीर मामलों में, डॉक्टर ऑक्सीज़न थैरेपी की सलाह दे सकते हैं।

फेफड़ों की बीमारियों में इनहेलर्स, नेब्युलाइज़र, दवाएं और श्वसन तकनीकों के माध्यम से चिकित्सक इन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। अस्थमा जैसी समस्याओं में बचाव के लिए नियमित रूप से दवा लेने की सलाह दी जाती है।

यदि सांस फूलने का संबंध अधिक वज़न से है तो उचित आहार और व्यायाम की ज़रूरत होती है जिससे वज़न को नियंत्रित किया जा सके।

कुछ प्रयास और सुधार भी चाहिए नाक और श्वसन मार्ग को साफ़ रखने के लिए भाप ली जा सकती है, जिससे सांस लेना आसान होता है। धूम्रपान छोड़ना, गहरी सांस लेने का अभ्यास करना, नियमित व्यायाम करना, संतुलित आहार लेना, धूल, धुएं और प्रदूषण से दूर रहना, तनाव कम करने के लिए योग और ध्यान जैसी तकनीकों को अपनाना सांस फूलने की समस्या को कम करने में मदद कर सकते हैं।

रोजाना कुछ मिनट करें स्लेज पुश एक्सरसाइज, मिलेंगे स्वास्थ्य से जुड़े कई लाभ

स्लेज पुश एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर की ताकत और सहनशक्ति को बढ़ाने में मदद करता है।यह न केवल आपके पैरों और कंधों को मजबूत बनाता है, बल्कि आपके हृदय स्वास्थ्य को भी सुधारता है।स्लेज पुश का उपयोग अक्सर एथलीट्स और फिटनेस प्रेमियों द्वारा किया जाता है क्योंकि यह एक उच्च तीव्रता वाली एक्सरसाइज है, जो कम समय में अधिक परिणाम देती है और शरीर की कई मांसपेशियों को सक्रिय करती है।

पैरों की मजबूती बढ़ाने में है सहायक

स्लेज पुश करते समय आपके पैर सबसे ज्यादा काम करते हैं।इस एक्सरसाइज से आपकी जांघों, पिंडलियों और ग्लूट्स की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।इसमें जब आप स्लेज को धक्का देते हैं तो आपको अपने पैरों से जोर लगाना पड़ता है, जिससे उनकी ताकत बढ़ती है। नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करने से आपकी दौडने और कूदने की क्षमता भी बेहतर होती है।इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पैरों की सहनशक्ति को भी बढ़ाता है।

कंधों और बाहों का विकास में हैं मददगार

स्लेज पुश न केवल पैरों के लिए बल्कि कंधों और बाहों के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। जब आप स्लेज को धक्का देते हैं तो आपके कंधे और बाहें भी सक्रिय रहती हैं।इससे उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और सहनशक्ति बढ़ती है।यह एक्सरसाइज उन लोगों के लिए खास तौर पर अच्छा होता है, जो अपने ऊपरी शरीर की ताकत बढ़ाना चाहते हैं और अपनी फिटनेस को एक नए स्तर पर ले जाना चाहते हैं।

हृदय स्वास्थ्य को सुधारने में है प्रभावी

स्लेज पुश एक कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज भी मानी जाती है क्योंकि इसे करने से आपका दिल तेजी से धड़कने लगता है। इससे आपका हृदय स्वास्थ्य सुधरता है और कैलोरी बर्न होती हैं।नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करने से आपका स्टैमिना बढ़ता है, जिससे आप अन्य शारीरिक गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।यह एक्सरसाइज आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाती है और आपको फिट रहने में मदद करता है।

मानसिक स्वास्थ्य को रख सकती है ठीक

इस उच्च तीव्रता वाली एक्सरसाइज को करने के दौरान आपको मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होती है क्योंकि इसे करना आसान नहीं होता।लगातार प्रयास करने पर आपकी मानसिक शक्ति भी विकसित होती जाती है, जिससे आप जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकते हैं।इस प्रकार स्लेज पुश एक संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास प्रदान करता है, जिसे अपनी फिटनेस रूटीन में शामिल करना चाहिए।

शरीर के संतुलन और स्थिरता में कर सकती है सुधार

स्लेज पुश करते समय आपको अपने शरीर का संतुलन बनाए रखना पड़ता है, जिससे आपकी स्थिरता सुधरती है।इस एक्सरसाइज के दौरान आपके कोर मसल्स भी सक्रिय रहते हैं, जो संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।यह खासतौर से उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है, जिन्हें खेलकूद या अन्य शारीरिक गतिविधियों में भाग लेना पसंद होता है जहां संतुलन अहम होता है।नियमित अभ्यास से आपका शरीर अधिक स्थिर और संतुलित हो जाता है।

शुष्क हवाओं के चलते ही रूखी होने लगी है त्वचा तो ऐसे करें देखभाल

सर्दियों में काफी लोगों को ड्राई स्किन की समस्या होती है और इस वजह से खुजली, स्किन रैश, त्वचा में जलन होना जैसी दिक्कत होने लगती हैं और कई बार त्वचा को मॉइस्चराइज करना भूल जाएं तो शर्मिंदा होना पड़ सकता है। तो चलिए जान लेते हैं स्किन को ड्राईनेस से बचाने के टिप्स।

सर्दियां शुरू होते ही ड्राई स्किन की समस्या भी शुरू हो जाती है। शुष्क हवाओं की वजह से त्वचा की नमी कम होने लगती है और इस वजह से स्किन में इचिंग, स्क्रैच होने लगना, त्वचा पर सफेद रूसी दिखने लगना आदि दिक्कतें होती हैं। सर्दी में भी त्वचा को स्मूथ बनाए रखना भले ही चैलेंज लगता हो, लेकिन अगर सही तरह से देखभाल की जाए तो सर्दी में भी आप स्किन में नमी को लॉक कर सकते हैं। कुछ नेचुरल इनग्रेडिएंट्स भी हैं जो स्किन को हाइड्रेट करने का काम करते हैं और त्वचा मुलायम बनी रहती है।

आधा अक्टूबर गुजर चुका है और अब त्वचा की नमी छीनने वाली हवाएं भी चलना शुरू हो गई हैं। इस वजह से स्किन में ड्राइनेस की समस्या होना काफी आम है। उन लोगों की दिक्कत और भी ज्यादा बढ़ जाती है, जिनका स्किन टाइप ड्राई है। तो चलिए जान लेते हैं कि सर्दियों में कैसे आप अपनी स्किन को ड्राईनेस से बचा सकते हैं।

सबसे पहले करें ये काम

त्वचा को ड्राईनेस से बचाने के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है, जैसे पानी भरपूर मात्रा में पीना चाहिए, ताकि स्किन अंदर से हाइड्रेट रहे। इसके अलावा सुगंधित साबुन और अल्कोहल वाले प्रोडक्ट्स का यूज कम करना चाहिए। स्किन में ड्राइनेस दिख रही हो तो नेल्स से खुजलाने से बचें, नहीं तो स्क्रैच पड़ सकते हैं। विटामिन सी से भरपूर फलों को अपनी डाइट में शामिल करें। फिलहाल जान लेते हैं स्किन को ड्राईनेस से बचाने के टिप्स।

स्किन टाइप के हिसाब से चुनें बॉडी वॉश

सर्दियों में ड्राई स्किन से बचने के लिए अपने बॉडी वॉश को बदलें। हमेशा ही अपनी स्किन के टाइप के हिसाब से बॉडी वॉश चुनना चाहिए तो वहीं अगर सर्दी में ड्राई स्किन की समस्या होती है तो ऐसा साबुन, बॉडी वॉश और फेस वॉश चुनें तो त्वचा को ड्राई न करें बल्कि मॉश्चराइज करे। रात को अपना चेहरा क्लीन करने के बाद टोनिंग, मॉश्चराइजिंग जरूर करें।

नहाने से पहले करें स्किन को दें नमी

स्किन को ड्राईनेस से बचाने के यह भी काफी कारगर तरीका है जो पुराने समय से अपनाया जाता रहा है। नहाने से पहले किसी अच्छे तेल जैसे कोकोनट ऑयल या जैतून के तेल को अपनी त्वचा पर नहाने से कम से कम आधे घंटे पहले लगा लें।

सॉफ्ट तौलिया का करें इस्तेमाल

स्किन को इचिंग से बचाने के लिए सॉफ्ट तौलिया का इस्तेमाल करें और पोंछते समय ध्यान रखें कि त्वचा पर रगड़ न लगे। खासतौर पर चेहरे को गलती से भी रगड़कर नहीं पोछना चाहिए। किसी दूसरे की तौलिया का यूज न करें।

ज्यादा गर्म पानी से नहाने से बचें

सर्दियों में तो ज्यादातर लोग गर्म पानी से नहाना पसंद करते हैं, लेकिन इससे स्किन ड्राई होने लगती है। अगर त्वचा को सॉफ्ट बनाए रखना है तो कोशिश करें कि ताजे पानी से नहाएं या चेहरा धोएं। वहीं अगर गर्म पानी से नहाना जरूरी है तो बिल्कुल गुनगुने पानी का इस्तेमाल करना चाहिए।

नहाने के बाद करें स्किन को मॉइश्चराइजर

अपनी स्किन के हिसाब से मॉश्चराइजर चुनें और नहाने के बाद त्वचा को मॉइस्चराइज करना न भूलें। अपने साथ में एक छोटा मॉश्चराइजर रखें ताकि ऑफिस या किसी भी जगह पर हैंड वॉश करें तो त्वचा पर अप्लाई कर सकें। ऐसा मॉश्चराइजर लें जो लंबे समय तक स्किन में नमी बनाए रखे।

ये फेस पैक चेहरे की स्किन को रखेंगे सॉफ्ट

फेस की स्किन भी अगर सर्दियों में ड्राई होने लगती है तो इससे बचने के लिए कुछ फेस पैक आपके काम आ सकते हैं। जैसे डेली रूटीन में दही में चुटकी भर हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे त्वचा मुलायम तो बनेगी ही, साथ ही रंगत में भी निखार होगा और पिंपल आदि की समस्या भी दूर होगी। इसके अलावा बादाम को पीसकर इसमें शहद मिलाकर लगा सकते हैं। एलोवेरा में थोड़ा सा बादाम का तेल मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

जीएसटी से जुड़ी ये जरूरी मीटिंग कल, क्या इंश्योरेंस प्रीमियम होगा टैक्स-फ्री?

आपके लिए हेल्थ इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस का प्रीमियम टैक्स-फ्री होगा या नहीं, कल इस विषय से जुड़े मसलों पर चर्चा करने के लिए जीएसटी से जुड़ी एक बड़ी बैठक होने जा रही है।

कुछ समय पहले जब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक चिट्ठी लिखकर हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस के प्रीमियम को टैक्स-फ्री करने का अनुरोध किया था। तब से ही इस विषय पर आम लोगों से लेकर सरकार तक में जबरदस्त मंथन हो रहा है। अब इसी से जुड़े मसलों पर चर्चा करने के लिए जीएसटी से जुड़ी एक जरूरी बैठक होने जा रही है। संभव है कि इंश्योरेंस प्रीमियम को टैक्स-फ्री करने को लेकर कोई ठोस सहमति बन जाए।

देश में जीएसटी पर कोई भी आखिरी फैसला लेने का काम जीएसटी परिषद करती है। जीएसटी काउंसिल की अध्यक्षता देश का वित्त मंत्री करता है और इसमें सभी राज्यों के वित्त मंत्री या उनके प्रतिनिधि शामिल होते हैं। जीएसटी काउंसिल की पिछली बैठक में इंश्योरेंस प्रीमियम को टैक्स-फ्री करने का भी मसला उठा था, लेकिन तब आखिरी सहमति नहीं बन सकी थी।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए जीएसटी परिषद ने इस मामले पर डिटेल में विचार-विमर्श करने के और जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए दो मंत्री पैनल का गठन कर दिया था। अब इन मंत्री समूह की बैठक 19 अक्टूबर को होनी है। ये समूह इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी की मौजूदा 18 प्रतिशत की दर को युक्तिसंगत बनाने, छूट देने या कम करने पर डिस्कशन करेंगे। वहीं जीएसटी दरों को लेकर भी चर्चा होगी।

बिहार से निकलेगी फैसले की राह

हेल्थ इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम को टैक्स-फ्री करने के लिए बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में एक 13 सदस्यीय मंत्री समूह भी बनाया गया है। इस मंत्री समूह के गठन के बाद इसकी कल पहली बैठक होनी है। इस मंत्री समूह में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, मेघालय, पंजाब, तमिलनाडु और तेलंगाना के मंत्रियों को शामिल किया गया है।

ये मंत्री समूह अक्टूबर के अंत तक इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स को लेकर अपनी रिपोर्ट तैयार करके जीएसटी परिषद को सौंप देगा। फिर इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी हटाया जाना है या उसे कम किया जाना है, इसका फैसला जीएसटी काउंसिल की बैठक में होगा।

इसके अलावा बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की ही अध्यक्षता में एक अन्य मंत्री समूह जीएसटी की दरों को तर्क संगत बनाने पर अपनी सिफारिशें पेश करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये समूह जीएसटी की 12 और 18 प्रतिशत की दर को आपस में मिलाकर एक करने पर भी अपनी सिफारिशें देगा। अभी जीएसटी के तहत कर की 4 दर हैं। ये दर 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की हैं।

सरसों, मूंगफली और सोयाबीन समेत कई तेलों की थोक कीमतों में आई गिरावट

मुंबई, एजेंसी। खरीफ तिलहन फसलों की आवक बढने और कल रात शिकागो एक्सचेंज के कमजोर बंद होने के कारण देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही। सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चे पामतेल एवं पामोलीन व बिनौला तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। शिकागो एक्सचेंज कल रात 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता बंद हुआ था, जिसकी वजह से भी सभी तेल-तिलहन में गिरावट आई। बाजार सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था नाफेड की बिकवाली के जारी रहने के साथ साथ किसानों द्वारा अपना माल निकालने से सरसों तेल-तिलहन में गिरावट है।

मूंगफली और सोयाबीन तेल में गिरावट

मूंगफली सहित सूरजमुखी, सोयाबीन आदि फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे दाम पर बिक रही हैं, जिसकी वजह से मूंगफली और सोयाबीन तेल-तिलहन में गिरावट है। कल रात शिकागो एक्सचेंज के कमजोर रहने के असर से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट है। गिरावट के आम रुख के अनुरूप बिनौला तेल के दाम भी टूट गये। सूत्रों ने कहा कि जो खाद्य तेल-तिलहन कारोबार के समीक्षक खाद्यतेलों के आयात शुल्क में वृद्धि के बाद खाद्यतेलों के मंहगा होने की आशंका जाहिर कर रहे थे, वह निर्मूल साबित हुई है। शुल्क वृद्धि किये जाने से पहले जो मूंगफली तेल का थोक भाव गुजरात में 146 रुपये लीटर था वह थोक भाव, शुल्क वृद्धि किये जाने के बाद अब घटकर 135 रुपये लीटर रह गया है। इसी प्रकार जो मूंगफली तेल का राजस्थान में थोक भाव पहले 130 रुपये लीटर था, वह अब घटकर 118 रुपये लीटर रह गया है। अब खुदरा में भाव अभी भी ऊंचा क्यों बिक रहा है, इसकी जवाबदेही सरकार को तय करनी होगी। समीक्षकों को इस विषय पर चिंता करनी चाहिये कि थोक दाम घटे तो खुदरा में दाम क्यों और कैसे नहीं घटने का नाम ले रहा है। सूत्रों ने कहा कि मंहगाई पर बेवजह हौव्वा बनाने से किसान हतोत्साहित होते हैं, क्योंकि उन्हें अपनी फसल के वाजिब दाम मिलना मुश्किल हो जाता है। सबसे बड़ी बात, इस तरह की चर्चा से तेल-तिलहन उद्योग की कारोबारी धारणा खराब होती है। जिसके परिणामस्वरूप अंततः आयात पर निर्भरता बढ़ती ही चली जाती है।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे:

सरसों तिलहन - 6,400-6,450 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,300-6,575 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 14,800 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 13,100 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,115-2,215 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,115-2,230 रुपये प्रति टिन।

तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 13,100 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,650 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 9,600 रुपये प्रति क्विंटल।

4 से 6 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो सकती है सीएनजी, इस कारण बढ़ेंगे दाम!

मुंबई, एजेंसी। सरकार ने शहरी खुदरा विक्रेताओं को सस्ती घरेलू प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक की कटौती की है। सूत्रों का कहना है कि ऐसे में यदि ईंधन पर उत्पाद शुल्क की कटौती नहीं होती है, तो वाहनों को आपूर्ति की जाने वाली सीएनजी के दाम में 4 से 6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हो सकती है। भारत के भीतर अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक के स्थलों से जमीन के नीचे और समुद्र तल के नीचे से निकाली गई प्राकृतिक गैस ऐसा कच्चा माल है जिसे वाहनों के लिए ष्टहत्र और रसोई में इस्तेमाल होने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। मामले की जानकारी रखने वाले चार सूत्रों ने कहा कि पुराने क्षेत्रों से उत्पादन की कीमतें सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। इनका उपयोग शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को किया जाता है। इन क्षेत्रों से उत्पादन सालाना पांच प्रतिशत तक घट रहा है। इस वजह से शहरी गैस वितरण कंपनियों को आपूर्ति में कटौती की गई है।

सीएनजी के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती हुई

सूत्रों ने बताया कि घरों में रसोई के लिए आपूर्ति की जाने वाली गैस संरक्षित है। ऐसे में सरकार ने सीएनजी के लिए कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती की है। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस मई, 2023 में सीएनजी की 90 प्रतिशत मांग को पूरा करती थी और इसमें लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर से आपूर्ति में कटौती कर सीएनजी की मांग का सिर्फ 50.75 प्रतिशत कर दिया गया है, जो इससे पिछले महीने 67.74 प्रतिशत था। शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को इस कमी की भरपाई के लिए आयातित और महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे सीएनजी की कीमतों में 4-6 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी होगी। पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत 6.50 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) है, जबकि आयातित एलएनजी की कीमत 11-12 डॉलर प्रति इकाई है।

अभी सरकार से चल रही बातचीत

सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खुदरा विक्रेताओं ने सीएनजी की दरें नहीं बढ़ाई हैं क्योंकि वे इसके समाधान के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहे हैं। एक विकल्प यह है कि सरकार सीएनजी पर उत्पाद शुल्क में कटौती करे। वर्तमान में, केंद्र सरकार सीएनजी पर 14 प्रतिशत उत्पाद शुल्क वसूलती है, जो 14-15 रुपये प्रति किलोग्राम बैठता है। उन्होंने कहा कि अगर इसमें कटौती की जाती है, तो खुदरा विक्रेताओं को बढ़ी हुई लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डालना पड़ेगा। सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी एक राजनीतिक मुद्दा भी है क्योंकि महाराष्ट्र में अगले महीने चुनाव होने हैं और दिल्ली में भी जल्द चुनाव होने हैं। दिल्ली और मुंबई देश के सबसे बड़े सीएनजी बाजारों में से हैं।

कमला हैरिस और बराक ओबामा ने चली ऐसी चाल, फ्रेंच फ्राई बेचने को मजबूर हुए ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में कुछ ही हफ्तों का समय बचा है और दोनों ही उम्मीदवार जनता को लुभाने में जुटे हुए हैं। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप रविवार को पेन्सिलवेनिया के एक मैकडोनाल्ड स्टोर पहुंचे और फ्रेंच फ्राई बनाने लगे। फ्राई बनाते हुए उन्होंने अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने फास्ट फूड चेन में 'कमला से 15 मिनट ज्यादा काम किया है।'

दरअसल, अमेरिका की उप राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान जनता से खुद को एक मिडिल क्लास से आने वाला कैंडिडेट बताया है और कहा है कि उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों में मैकडोनाल्ड में भी काम किया है। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनके मध्यम वर्गीय परिवार से आने के लिए उनको अमेरिका के लिए अच्छा उम्मीदवार बताया है। डोनाल्ड ट्रंप उनके इसी मिडिल क्लास प्रचार पर कटाक्ष करने के लिए पेन्सिलवेनिया पहुंचे हैं।

फ्राई कुक बनकर किया प्रचार

पेन्सिलवेनिया के मैकडोनाल्ड ड्राइव थ्रू जाकर ट्रंप एक शैफ की तरह तैयार हुए और वहां काम करने वाले वर्कर्स से बातचीत की। उनसे फ्राई लेने के लिए काफी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसके बाद उन्होंने कहा, "यहां भीड़ को देखो, वे बहुत खुश हैं क्योंकि उनके पास उम्मीद है। उन्हें उम्मीद की जरूरत है।" उन्होंने आगे कहा, "मैंने अब कमला से 15 मिनट ज़्यादा काम किया है।"

पेंसिल्वेनिया पर नजर

पिछले महीने पेंसिल्वेनिया के इंडियाना में एक सभा के दौरान ट्रंप ने हैरिस की पिछली नौकरी का हवाला देते हुए कहा था, "मैं फ्राई कुक के रूप में काम करना चाहता हूं, ताकि देख सकूं कि यह कैसा होता है।"

5 नवंबर को होने वाले चुनाव से पहले के आखिरी हफ्तों में दोनों उम्मीदवार पेंसिल्वेनिया में लगातार सभा कर रहे हैं, चुनाव में जीत के लिए पेंसिल्वेनिया एक अहम राज्य माना जाता है। ट्रंप और हैरिस दोनों ही नेता इस राज्य पर नजर टिकाए हुए हैं।

काबुल में दागी गई मिसाइल? एयरपोर्ट के पास हुए धमाके

वॉशिंगटन, एजेंसी। हाल ही में भारत में फ्लाइट्स को लेकर बम की 70 से अधिक धमकियां मिली हैं, जो बाद में झूठी साबित हुईं। इसी बीच अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से बड़ी खबर आई है कि वहां के एयरपोर्ट के पास एक के बाद एक तीन बम धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। हालांकि, अभी तक इन धमाकों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टारगेट किसे बनाया गया था। यह पहली बार नहीं है जब काबुल में धमाके हुए हों। इससे पहले भी वहां शिया अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाकर कई हमले किए गए हैं। वहीं 12 अगस्त को हुए एक वैन धमाके में एक व्यक्ति की जान गई थी और इस्लामिक स्टेट ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। इस आतंकी संगठन का मकसद आमतौर पर सार्वजनिक स्थानों और शिया समुदाय को निशाना बनाना रहा है।

अल्पसंख्यक बन रहें निशाना

काबुल एयरपोर्ट के पास धमाके उस वक्त हुए हैं जब तालिबान के कब्जे के बाद से बिगड़ते हालातों के चलते विदेशी नागरिकों और स्थानीय लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास जारी है। हाल के समय में काबुल एयरपोर्ट पर कई धमाके हुए हैं, जिनमें मस्जिदों, अस्पतालों और स्कूलों को भी निशाना बनाया गया है। इस्लामिक स्टेट ने हमले के बाद एक बयान जारी कर कहा था कि उन्होंने शिया अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाते हुए धमाका किया।

राजधानी में लगातार ऐसी घटनाएं

इसी बीच अफगान अधिकारियों ने एक भारतीय विमान को अपने एयरस्पेस का उपयोग करने से रोक दिया, क्योंकि विमान को बम की धमकी मिली थी, जिसके चलते विमान को दिल्ली वापस लौटना पड़ा। भारत में फ्लाइट्स से जुड़ी बम की धमकियों के विपरीत, अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हाल ही में वास्तविक बम धमाके सुने गए हैं। काबुल में लगातार धमाकों की घटनाएँ बढ़ रही हैं, जिनमें प्रमुखता से शिया अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है।

जर्मनी में इजराइली दूतावास पर हमले की योजना, एक संदिग्ध गिरफ्तार, ISIS से जुड़े तार

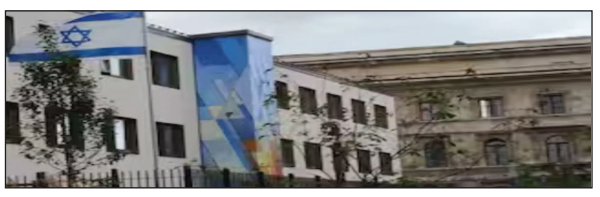

यरुशलम, एजेंसी। जर्मनी में अधिकारियों ने आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट से जुड़े एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि यह बर्लिन में इजराइली दूतावास पर हमले की योजना बना रहा था। संदिग्ध को बर्लिन के ठीक बाहर बर्नौ शहर में हिरासत में लिया गया था। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए ने बताया कि संदिग्ध को देश की सर्वोच्च अदालत, कार्लज़ूए में संघीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। बर्लिन में इजराइली दूतावास के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि गिरफ्तार व्यक्ति ने राजनयिक मिशन पर हमला करने की योजना बनाई गई थी। डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली राजदूत रॉन प्रोसोर ने दूतावास की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जर्मन अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

अपार्टमेंट पर छापा मारा

मामले की खबर सबसे पहले बिल्ड न्यूजपेपर से आई थी, जिसमें बताया गया था कि भारी हथियारों से लैस पुलिस बल ने बर्नौ में एक अपार्टमेंट पर धावा बोल दिया। पुलिस ने मामले के सिलसिले में पश्चिमी जर्मन शहर सांक्ट ऑगस्टिन में एक अपार्टमेंट पर भी छापा मारा। बिल्ड ने बताया कि जर्मन अधिकारियों ने एक विदेशी खुफिया एजेंसी से सूचना मिलने के बाद कार्रवाई की।

डेनमार्क में इजराइल के दूतावास के पास धमाका

बता दें कि दो अक्टूबर को डेनमार्क की राजधानी के कोपेनहेगन में इजराइल के दूतावास के पास धमाके हुए थे। दूतावास के आसपास दो विस्फोट हुए। स्थानीय पुलिस ने धमाकों के बाद घटना की जांच शुरू कर दी है। डेनमार्क पुलिस ने बताया था कि इजराइली दूतावास के पास हुए विस्फोटों किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।डेनमार्क की पुलिस ने कहा इजराइली दूतावास के पास धमाकों के सभी संबंधों और पहलुओं की जांच की जा रही है।

इमरान खान को जेल में परोसा जा रहा मटन-चिकन-जूस... अधिकारियों को क्यों बताना पड़ा मेन्यू

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अडियाला जेल प्रशासन ने तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सुप्रिमो और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ जेल में हो रहे कथित दुर्व्यवहार के आरोपों को खारिज कर दिया है। जेल अधिकारियों ने खान को दी जा रही सुविधाओं की सूची शेयर करते हुए कहा कि उन्हें बी-क्लास कैदी के रूप में सभी जरूरी सुविधाएं दी जा रही हैं। जेल प्रशासन ने कहा जेल में उनकी पसंद के अनुसार खाने की व्यवस्था की गई है। अधिकारियों के अनुसार इमरान के नाश्ते में कॉफी, चिया सीड्स, चुकंदर का जूस, दही, चपाती, बिस्किट और खजूर शामिल होते हैं, जबकि लंच में पारंपरिक करी, स्थानीय चिकन, चपाती, सलाद, ग्रीन टी और मटन दिया जाता है, उन्हें डिनर में दलिया, नारियल और अंगूर की व्यवस्था की जाती है।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि खान के स्वास्थ्य की नियमित जांच की जाती है और मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार वह स्वस्थ और सक्रिय हैं। साथ ही उन्हें रोज के अखबार भी मुहैया कराया जा रहा है और वह दो घंटे तक व्यायाम कर सकते हैं। जेल प्रशासन ने आरोपों को निराधार करार देते हुए कहा कि खान को बी-क्लास जेल के सभी नियमों के तहत सुविधाएं दी जा रही हैं।

जेल में हो रहा है दुर्व्यवहार

बता दें पीटीआई चेयरमैन गोहर अली खान ने हाल ही में अडियाला जेल में इमरान खान से मुलाकात के बाद आरोप लगाया था कि उन्हें पांच दिनों से बिजली की आपूर्ति नहीं मिल रही है, और पिछले पंद्रह दिनों से अखबार और टीवी जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि खान को दिन में केवल ढाई घंटे ही सेल से बाहर बिताने की अनुमति दी जाती है। गोहर ने खान के साथ इस दुर्व्यवहार की निंदा की और कहा कि जेल प्रशासन को पूर्व पीएम के अधिकारों की देखभाल करनी चाहिए और उन्हें वह सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि उन्हें एक छोटे से सेल में रखना संविधान और कानूनी अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। पीटीआई नेता ने कहा कि पार्टी संस्थापक को अपनी बहनों की गिरफ्तारी के बारे में भी जानकारी नहीं थी, और उन्होंने इस घटना पर दुख जताया। हालांकि, इमरान ने कहा कि वह और उनका पूरा परिवार जनता के संघर्ष के लिए बलिदान देगा। साथ ही उन्होंने पूरे देश को शांत रहने की अपील की।

वकील को नहीं दी मिलने की इजाजत

इसके अलावा पीटीआई ने जेल प्रशासन पर खान के वकील सलमान अकरम राजा को उनसे मिलने की अनुमति न देने का आरोप लगाया, जबकि दूसरी पार्टी नेता गोहर अली खान, अली जफर और असद कैसर को मुलाकात की अनुमति दी गई थी। गोहर ने इस मुलाकात के बाद कहा कि इमरान खान आशावादी हैं और उन्होंने अपने समर्थकों से कानून और संविधान की सर्वोच्चता के लिए लड़ाई जारी रखने की अपील किया है।

श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए हमले में डॉक्टर और 6 मजदूरों की मौत, एनआईए घटनास्थल पर पहुंची

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरंग निर्माण स्थल पर रविवार शाम को हुए आतंकवादी हमले में एक डॉक्टर और छह मजदूरों समेत सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। यह हमला उस समय हुआ जब स्थानीय और गैर-स्थानीय मजदूर गुंड में निर्माण स्थल पर अपनी शिफ्ट के बाद अपने शिविर में लौट रहे थे। अधिकारियों का मानना है कि दो या उससे अधिक आतंकवादियों ने साइट

पर घात लगाकर हमला किया और समूह पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक डॉक्टर समेत अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल पांच अन्य पीड़ितों का फिलहाल इलाज चल रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि मृतकों की पहचान डॉ. शाहनवाज, फहीम नजीर, कलीम, मोहम्मद हनीफ, शशि अबरोल, अनिल शुक्ला और गुरमीत सिंह के रूप में हुई है। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर वी. के. बिरदी समेत वरिष्ठ अधिकारी स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे।

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटना की कड़ी निंदा की और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया। शाह ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, 'जम्मू-कश्मीर के गगनगीर में नागरिकों पर हुआ नृशंस आतंकी हमला कायरतापूर्ण कृत्य है। जिम्मेदार लोगों को हमारे सुरक्षा बलों की ओर से कड़ी से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जताया शोक

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गैर-स्थानीय मजदूरों पर हमले को 'कायरतापूर्ण और कायरतापूर्ण' बताया। अब्दुल्ला ने एक्स पर पोस्ट किया, मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल पूरी तरह से ठीक हो जाएं, क्योंकि अधिक गंभीर रूप से घायलों को श्रीनगर के एसकेआईएमएस में रेफर किया जा रहा है। आतंकवादियों ने एक निजी कंपनी के कर्मचारियों के शिविर पर गोलीबारी की थी।

राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता का स्तर गिर रहा, 'बहुत ख़राब' पर पहुंचा स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की एक पतली परत छाई रही और सोमवार को सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गिरकर 349 पर पहुंच गया, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया। निवासी और कॉलेज छात्र कुशल चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के कारण उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही है। 'मैं एक कॉलेज स्टूडेंट हूँ और मुझे सुबह जल्दी कॉलेज के लिए निकलना होता है। बढ़ते प्रदूषण की वजह से मुझे सांस लेने में दिक्कत हो रही है। यहाँ पटाखों पर प्रतिबंध है, लेकिन इसके बावजूद कल करवा चौथ पर बहुत सारे पटाखे जलाए गए। सरकार को प्रदूषण पर नियंत्रण करने के लिए कदम उठाने चाहिए।' केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राजधानी के शकूरपुर और आसपास के इलाकों में एक्यूआई 346 दर्ज किया गया, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया है। इंडिया गेट के आसपास के क्षेत्रों में AQI 309 दर्ज किया गया, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया। सफदरजंग में AQI 307 दर्ज किया गया, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया। इस बीच, यमुना नदी में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण नदी में जहरीला झाग तैरता देखा गया। पर्यावरणविद् विमलेंदु के. झा ने इस घटना को दिल्ली में पर्यावरण प्रशासन का पूर्णतः उपहास बताया। विमलेंदु के झा ने एएनआई को बताया, 'हमने एक बार फिर यमुना नदी की सतह पर बहुत सारा झाग तैरते हुए देखा है... यह दिल्ली में पर्यावरण शासन का एक बड़ा मजाक है... हमने प्रदूषण के स्रोतों को देखा है जो मुख्य रूप से दिल्ली से हैं, बेशक, दिल्ली सरकार इसे अन्य राज्यों पर दोष देना चाहेगी। वास्तव में अन्य राज्य भी जिम्मेदार हैं क्योंकि यमुना इन राज्यों से होकर बहती है लेकिन यमुना के प्रदूषण के लिए प्राथमिक जिम्मेदारी दिल्ली का अपना प्रदूषण है, 17 नाले जो वास्तव में दिल्ली में यमुना में खाली होते हैं...'

युद्ध में प्रयोग होने वाले हथियारों से लैस आतंकवादी, भारत के खिलाफ बड़ा षड्यंत्र! बारामुल्ला में सशस्त्र बलों ने दहशतगर्द का किया खात्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में चुनावों से पहले से ही हालात काफी ज्यादा खराब हो गये थे। कश्मीर की तरक्की से कुंठित आर्तकियों ने पाकिस्तान के साथ मिल कर घाटी में कई बड़ी वारदातों को अंजाम दिया है लेकिन अगर सुरक्षा बलों ने अपने काम में ढील दी होती तो वारदातों की संख्या और भी ज्यादा बढ़ सकती थी और भारतीय सेना, सुरक्षा बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने काफी दमदार काम करते हुए कई बड़ी आतंकी साजिशों को फेल किया है। अब एक बार फिर से सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों के मंसूबों में सेंध लगा दी हैं। जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला जिले में एक संयुक्त अभियान में सशस्त्र बलों ने भारी हथियारों से लैस एक आतंकवादी को मार गिराया और हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि मुठभेड़ स्थल पर गोला-बारूद का युद्ध जैसा सामान बरामद किया गया है। संयुक्त टीम ने एक भारी हथियारों से लैस आतंकवादी को मार गिराया और साइट से 01xAK राइफल, 02xAK मैगज़ीन, 57xAK राउंड, 02xपिस्तौल, 03xपिस्तौल मैगज़ीन और अन्य युद्ध जैसे सामान बरामद किए।

बिग बी ने पूरी की 'मंजुलिका' की वर्षों पुरानी ख्वाहिश, 'आज रपट जाए' गाने पर किया रोमांटिक डांस

विद्या बालन इन दिनों फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे देखने के बाद दर्शकों की उत्सुकता काफी ज्यादा बढ़ गई है। अब हाल ही में, फिल्म का प्रमोशन करने के लिए विद्या बालन और कार्तिक आर्यन 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के सेट पर नजर आए, जहां उन्होंने बिग बी के साथ खूब सारी मस्ती भी की। हालांकि, इस दौरान विद्या ने बिग बी को उन इच्छाओं के बारे में भी बताया है, जो पूरी नहीं हो सकी थी। विद्या ने अमिताभ की हीरोइन बनने की अपनी पुरानी ख्वाहिश को स्वीकार किया और अपने सपने का खुलासा करते हुए कहा: हमें आपके साथ नमक हलाल के गाने 'आज रपट जाए तो हमें ना उठाइयो' पर डांस करना चाहती थी। इसके बजाय, उन्होंने 'पा' में उनकी मां की भूमिका निभाने और अमिताभ और अभिषेक बच्चन के साथ यादगार बंदर डांस करने के बारे में याद किया। साल 2009 में आर बाल्की की फिल्म 'पा' की शूटिंग को याद करते हुए विद्या बालन ने बताया, 'पा की शूटिंग के दौरान एक सीन था, जिसमें बच्चन सर, मैं और अभिषेक बारिश में बंदर की तरह डांस करते हैं। मैंने सोचा मैं 'आज रपट जाए तो हमें ना उठाइयो ' पर डांस करना चाहती हूं, लेकिन मैं आपकी मां का किरदार निभा रही हूं, बंदर का डांस कर रही हूं... ख्वाहिश अधूरी रह गई सर।'

विद्या बालन की इच्छा पूरी करने के लिए अमिताभ बच्चन ने उन्हें मंच पर अपने साथ डांस करने के लिए आमंत्रित किया। साथ में, उन्होंने " आज रपट जाए तो हमें ना उठाइयो" के स्टेप्स को बहुत ही खूबसूरती से किया, जिससे सारी पुरानी यादें ताजा हो गई। विद्या ने प्रिंटेड ब्लैक साड़ी पहनी थी, जबकि अमिताभ ने ब्लैक सूट में काफी डैशिंग लग रहे थे। बता दें कि यह फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म का रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित फिल्म 'सिंघम अगेन' से बड़ा क्लैश होगा, जिसमें अजय देवगन, करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, जैकी श्रॉफ, अर्जुन कपूर, रवि किशन और टाइगर श्रॉफ हैं। 1 नवंबर को सिनेमाघरों में इन दोनों फिल्मों के बीच महा मुकाबला देखने को मिलेगा।

एक्टर नहीं कुछ और ही बनना चाहते थे आदित्य रॉय कपूर, वीडियो जॉकी भी रह चुके हैं अभिनेता

अभिनय सिर्फ इसलिए हुआ, क्योंकि मैं आधा मशहूर था। मुझे ऐसे ऑडिशन के लिए कॉल आते थे, जिनमें मैं जाना नहीं चाहता था, कुछ ऑडिशन मैं अपराधबोध के कारण करता था, क्योंकि मैं बड़ा होते वक्त कभी अभिनेता नहीं बनना चाहता था।
आदित्य रॉय

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता हैं। साल 2009 में 'लंदन ड्रीम्स' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले आदित्य, शुरु में अभिनेता बनना ही नहीं चाहते थे। आदित्य रॉय कपूर अभिनेता से पहले एक लोकप्रिय रेडियो जॉकी भी रह चुके हैं। हाल में ही करीना कपूर के शो 'व्हाट वीमेन वांट' पर बातचीत के दौरान उन्होंने खुलासा किया कि वो फिल्मों में नहीं आना चाहते थे।

साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'आशिकी 2' में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले आदित्य रॉय कपूर की पहली पसंद फिल्मी दुनिया नहीं, बल्कि क्रिकेट का मैदान था। अभिनेता ने करीना कपूर खान से बातचीत के दौरान बताया कि वो एक क्रिकेटर बनना चाहते थे। अभिनेता ने फिल्मों में आने की अपनी यात्रा को लेकर बात करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने एक वीडियो जॉकी के रूप में अपना करियर शुरू किया था, जबकि यह कुछ ऐसा था जो उन्हें ज़्यादा पसंद नहीं था।

आदित्य रॉय कपूर ने कहा, 'मेरी शोबिज में जाने की इच्छा नहीं की थी। मैं देश के आधे लोगों की तरह एक क्रिकेटर बनना चाहता था, लेकिन चीजें सही तरीके से घटी नहीं। इसके बाद मैं बस अभिनय में आ गया। मैं एक वीडियो जॉकी था, भले ही यह ऐसा कुछ नहीं था, जो मुझे आकर्षित करता हो।' अभिनेता ने उल्लेख करते हुए कहा कि भले ही वीडियो जॉकी बनना उनकी सूची में नहीं था, लेकिन उन्होंने इसे जारी रखा, क्योंकि यह उनके लिए मजेदार काम था।

अपने फिल्मी करियर को लेकर उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने अभिनय कैसे सीखा। उन्होंने यह भी कहा कि वह ऑडिशन के लिए नहीं जाना चाहते थे, लेकिन वह बस अपराध बोध के कारण जाया करते थे। अभिनेता ने आगे कहा, 'अभिनय सिर्फ इसलिए हुआ, क्योंकि मैं आधा मशहूर था। मुझे ऐसे ऑडिशन के लिए कॉल आते थे, जिनमें मैं जाना नहीं चाहता था; कुछ ऑडिशन मैं अपराधबोध के कारण करता था, क्योंकि मैं बड़ा होते वक्त कभी अभिनेता नहीं बनना चाहता था।' आदित्य रॉय कपूर ने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म के बाद से ही अभिनय से प्यार हो गया था। उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' में अजय देवगन और सलमान खान के साथ स्क्रीन साझा किया था। इसके बाद तो उन्होंने कई अन्य फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी का जलवा दिखाया। इसके बाद, उन्होंने 'एक्शन रिप्ले', 'आशिकी 2', 'ये जवानी है दीवानी', 'ओके जानू' और 'कलंक' जैसी लोकप्रिय फिल्मों में अभिनय किया। आखिरी बार वो द नाइट मैनेजर में नजर आए थे। इन दिनों वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स 'रक्त ब्रह्मांड' और 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर व्यस्त हैं।

इंस्टाग्राम पर बढ़ती लोकप्रियता पर श्रद्धा कपूर गदगद, बोलीं– मैंने सोचा भी नहीं था

श्रद्धा कपूर फिल्मों में बेहतरीन अभिनय करने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'स्त्री-2' भी काफी चर्चा में रही, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा बिजनेस किया। फिल्म में उनके अभिनय से समीक्षक और दर्शक दोनों ही प्रभावित हुए। एक तरफ श्रद्धा जहां अपनी एक्टिंग के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने की कोशिश करती हैं। वहीं सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस से कनेक्ट रहती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोइंग की बात की जाए तो उन्हें 9 करोड़ 36 लाख लोग फॉलो करते हैं। इस तरह से वह इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। इस उपलब्धि के बारे में श्रद्धा कहती हैं कि वह खुद को इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रियल रखने की कोशिश करती हैं। वह कहती हैं, ' मैंने सोचा भी नहीं था कि सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलोअर होना इतनी बड़ी बात होगी। दरअसल, लोग हमें ज्यादा से ज्यादा देखना चाहते हैं, इसलिए जितना हो सके, उतना रियल रहना चाहिए। जो आप हैं, वह सोशल मीडिया पर दिखाना चाहिए।' इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वह अपने फैंस के साथ कनेक्ट भी होती हैं, कमेंट सेक्शन में उनकी बातों के जवाब भी देती हैं। इस तरह अपने फैंस से कनेक्ट रहने के कारण ही, उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ती रहती है। श्रद्धा कहती हैं, 'इंस्टाग्राम के कमेंट सेक्शन में बहुत ही एंटरटेनिंग लोग होते हैं, मुझे उनके कमेंट पढ़कर बड़ा मजा आता है।' श्रद्धा समय-समय पर इंस्टाग्राम पर अपनी लाइफ से जुड़ी अपडेट और फोटो शेयर करती रहती हैं। अपनी फिल्मों से जुड़ी जानकारी भी देती हैं। वह अपनी लाइफ से जुड़ी बातें और खुशियां भी दर्शकों से साथ साझा करती हैं। श्रद्धा इंस्टाग्राम पर फनी रील्स भी बनाकर डालती हैं, इसमें उनका मस्ती भरा अंदाज नजर आता है। जिसे उनके फैंस काफी एंज्वॉय करते हैं और उनकी रील्स को खूब लाइक और शेयर करते हैं, उस पर कमेंट भी करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com